राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 01 अगस्त 2023 वर्ष–6,अंक–188 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अतीक अहमद को चैलेंज देने वालीं पूजा पाल की अब भाजपा में होगी एंट्री!

अखिलेश को फिर लगेगा झटका

लखनऊ। कभी अतीक अहमद जैसे माफिया को चुनावी जंग में मात देने वालीं पूजा पाल भाजपा में शामिल हो सकती हैं। फिलहाल वह सपा की विधायक हैं, लेकिन उमेश पाल की हत्या और फिर अतीक अहमद एवं उसके भाई अशरफ के मारे जाने के बाद से वह लगातार चर्चा में हैं। कई बार अतीक अहमद पर शिकंजा कसने और उमेश पाल की हत्या में शामिल बदमाशों के एनकाउंटर को लेकर योगी सरकार की तारीफ भी कर चुकी हैं। उस दौरान पूजा पाल ने सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात भी की थी। अब चर्चा जोरों पर है कि वह भाजपा में शामिल हो सकती हैं। वह पाल समुदाय की एक सशक्त महिला नेता के तौर पर जानी जाती हैं, जिनके पति की अतीक अहमद ने हत्या करा दी थी।

भाजपा को लगता है कि उन्हें पार्टी में लेकर वह गुंडाराज के खिलाफ ऐक्शन और ओबीसी समुदाय को न्याय दिलाने के नाम पर बढ़त पा सकती है। इन दिनों अखिलेश यादव को झटका देने की कोशिश में जुटी भाजपा लगातार ओबीसी नेताओं पर नजर गड़ाए हुए हैं। हाल ही में ओबीसी नोनिया चौहान समुदाय से ताल्लुक रखने वाले दारा सिंह चौहान भी भाजपा में शामिल हो सकते हैं। अब पूजा पाल की चर्चा जोरों पर है। कहा तो यहां तक जा रहा है कि पूजा पाल को प्रयागराज लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार बना सकती है। खबर है कि दारा सिंह चौहान की तरह ही वह भी विधानसभा की सदस्यता को छोड़कर भाजपा में आ सकती हैं।

सूत्रों का कहना है कि अतीक अहमद पर शिकंजा कसे जाने के बाद से ही पूजा पाल भाजपा के ज्यादा करीब हैं। वह इस मामले में अखिलेश यादव के रवैये से असहज हैं। सपा में आने से पहले पूजा पाल बसपा से ही विधायक बनी थीं। उनके पति राजू पाल भी बसपा से ही जीतकर विधानसभा पहुंचे थे, जिससे खफा अतीक अहमद ने उनकी हत्या करा दी थी। राजू पाल ने अतीक के भाई अशरफ को मात दी थी। हालांकि पूजा पाल का भी राजनीतिक अतीक के ही मुकाबले में खड़ा हुआ और 2007 में वह प्रयागराज दक्षिण सीट से ही जीतीं, जहां कभी राजू पाल जीते थे। उन्होंने अतीक अहमद को मात देकर चुनाव में विजय हासिल की थी।

पूजा पाल कर रहीं इनकार, फिर भी हैं पालाबदल के आसार

पूजा पाल को 2017 में भाजपा के हाथों हार झेलनी पड़ी थी और फिर 2022 में वह सपा के टिकट पर लड़ीं तो जीत गईं। अब वह भाजपा में ही आना चाहती हैं। पाल समुदाय का बड़ा हिस्सा भाजपा को वोट करता रहा है, लेकिन पूजा पाल के जरिए भाजपा को वोटबैंक और मजबूत होने की उम्मीद है। प्रयागराज, कौशांबी और प्रतापगढ़ जिलों में पाल समुदाय की अच्छी खासी आबादी भी हैं। हालांकि भाजपा में शामिल होने के कयासों से पूजा पाल ने इनकार किया है और कहा है कि वह सपा में ही हैं। फिर भी कयास तेज हैं और कोई भी नेता अपने अगले कदम का यूं खुलासा भी तो नहीं करता। ऐसे में पूजा पाल यदि कुछ दिनों में भाजपा का हिस्सा बन जाएं तो कोई आश्चर्य नहीं होगा।

दिल्ली के बापरौला में बनेंगे इलेक्ट्रॉनिक सिटी के कम लागत वाले आवासीय फ्लैट

नई दिल्ली। दिल्ली के बापरौला (नजफगढ़) में विकसित होने वाली इलेक्ट्रॉनिक सिटी (औद्योगिक क्षेत्र) के साथ सरकार कम लागत वाले फ्लैट विकसित करने की भी योजना बना रही है। इस योजना के तहत औद्योगिक क्षेत्र और आवासीय परिसर दोनों को पीपीपी मॉडल पर विकसित किया जाएगा। दिल्ली राज्य औद्योगिक संरचना विकास निगम ने यहां उपलब्ध कुल 135 एकड़ जमीन में से 97.08 एकड़ जमीन का मूल्यांकन कराने के लिए सलाहकार नियुक्त कर रहा है।

बजट में घोषणा की थी : दिल्ली सरकार ने बजट में बापरौला में एक इलेक्ट्रॉनिक सिटी विकसित करने की घोषणा की थी। बजट में इसके लिए 250 करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया गया है। दिल्ली विकास प्राधिकरण से जमीन भी मिल चुकी है। डीएसआईआईडीसी कुल जमीन में औद्योगिक क्षेत्र के लिए 55.18 एकड़, आवासीय परिसर के लिए 27.38 एकड़, रिक्रिएशन सेंटर के लिए 6.47 एकड़ और 17.13 एकड़ पर बने 2112 फ्लैटों का मूल्यांकन करा रहा है। सरकार कम लागत वाले फ्लैट तैयार कराएगी दिल्ली सरकार का मानना है कि राजधानी में काम करने वालों के लिए यहां रहना सबसे ज्यादा महंगा है। इसलिए सरकार औद्योगिक क्षेत्र के आस-पास कम लागत वाले फ्लैट बनाना चाहती है। इस कदम से दिल्ली सरकार को उम्मीद है कि यहां पर लाखों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से नौकरी और रोजगार मिलेंगे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हब बनाने का प्रस्ताव

दिल्ली के इलेक्ट्रॉनिक सिटी का मकसद एक आधुनिक औद्योगिक क्षेत्र तैयार करना है। जहां लोगों को काम करने का अच्छा माहौल दिया जाएगा। यहां ऑफिस के लिए बड़े परिसर, वेयर हाउस के मनोरंजन केंद्र और आवासीय परिसर विकसित करना है, लेकिन आने वाले उद्योगों के भविष्य को देखते हुए सरकार ने 8 जून को हुई एक बैठक में इसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हब के रूप में भी विकसित करने की दिशा में काम करने का निर्देश दिया है। विभाग उस पर भी काम कर रहा है।

बाजार प्रतिस्पर्धा का भी आकलन होगा

जमीन की मार्केट वैल्यू का पता लगाने के लिए मूल्यांकन कराया जाएगा। साथ ही आसपास चल रही प्रतिस्पर्धी योजनाएं का भी आकलन कराया जाएगा।

जयपुर एक्सप्रेस में फायरिंग, एएसई सहित 4 की मौत; गोली चलाने वाला गिरफ्तार

- मरने वालों में आरपीएफ के एक एएसआई और तीन यात्री शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कॉन्स्टेबल चेतन ने गोलीबारी की इस घटना को अंजाम दिया है।

मुंबई। गुजरात से मुंबई आ रही जयपुर एक्सप्रेस में फायरिंग की घटना हुई है, जिसमें चार लोगों की मौत की खबर सामने आ रही है। यह घटना महाराष्ट्र के पालघर में हुई है। मरने वालों में आरपीएफ के एक एएसआई और तीन यात्री शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कांस्टेबल चेतन ने गोलीबारी की इस घटना को अंजाम दिया है। आपको बता दें कि जयपुर एक्सप्रेस जयपुर से मुंबई जा रही थी। खबरों के मुताबिक, कांस्टेबल की अपने सहकर्मी से बहस हो गई और जब कुछ लोगों ने हस्तक्षेप किया तो आरोपी ने गोली चला दी जिससे चार लोगों की मौत हो गई। फायरिंग की यह घटना 31 जुलाई को सुबह 5.23 बजे ट्रेन संख्या 12956 जयपुर एक्सप्रेस में हुई है। बोगी बी-5 में गोली चली। एस्कॉर्ट ड्यूटी में

तैनात सीटी चेतन ने एस्कॉर्ट प्रभारी एएसआई पर गोली चलाई। कांस्टेबल को भायंदर चौकी पर पकड़ा गया है। डीसीपी नॉर्थ जीआरपी को इस घटना की सूचना दे दी गई है। रेलवे के अधिकारी ने कहा कि कांस्टेबल ने अपने ऑटोमेटिक हथियार से गोलीबारी की, जिसमें आरपीएफ एएसआई और ट्रेन के तीन अन्य यात्रियों की सुबह 5 बजे के मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि चेतन कुमार चौधरी ने चलती ट्रेन में अपने एस्कॉर्ट ड्यूटी प्रभारी एएसआई टीका राम मीना पर गोली चला दी। अपने सीनियर की हत्या करने के बाद कांस्टेबल दूसरी बोगी में गया और तीन यात्रियों की गोली मारकर हत्या कर दी। सरकारी रेलवे पुलिस और आरपीएफ अधिकारियों की मदद से कांस्टेबल को मीरा रोड पर पुलिस ने पकड़ लिया।

कर्नाटक में नलिन कुमार कतील के 'फ्लॉप शो' के बाद नया अध्यक्ष कौन ? रेस में सीटी रवि सबसे आगे

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में करारी हार झेलने के बाद बीजेपी प्रदेश में बड़े बदलाव की तरफ बढ़ रही है। सूत्रों का कहना है कि लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए अगले कुछ दिनों में पार्टी को नया प्रदेश अध्यक्ष मिल सकता है। चार साल तक प्रदेश की कमान संभालने के बाद नलिन कुमार कतील को उनके चुनाव में 'फ्लॉप शो' के बाद पद से हटाया जा सकता है। चर्चा है कि पार्टी के वरिष्ठ नेता सीटी रवि इस रेस में सबसे आगे हैं। 10 मई के विधानसभा चुनावों में पार्टी की करारी हार के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं को बूस्ट करने के लिए शीर्ष नेतृत्व प्रदेश में जल्द बड़ा बदलाव कर सकता है। पार्टी सूत्रों ने कहा कि पार्टी इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए जल्द ही घोषणा कर सकती है। लोकसभा चुनाव में एक साल से भी

कम समय बचा है और सत्तारूढ़ कांग्रेस अपनी शानदार चुनावी जीत के बाद राज्य भर में आक्रामक हो गई है। इस बात की जोरदार चर्चा है कि वरिष्ठ नेता सीटी रवि मंगलुरु के सांसद नलिनकुमार कतील की जगह ले सकते हैं, कतील लगभग चार साल कर्नाटक चीफ के तौर पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। शनिवार को हुए संगठनात्मक सुधार में पार्टी नेतृत्व द्वारा उन्हें निभाई गई राष्ट्रीय भूमिका से हटा दिए जाने के बाद अटकलें तेज हो गईं।

इन नामों की भी चर्चा

पार्टी सूत्रों ने बताया कि कनिष्ठ कृषि मंत्री शोभा करंदलाजे और पूर्व डिप्टी सीएम सीएन अश्वथ नारायण के नाम भी पार्टी प्रमुख पद के लिए चर्चा में हैं। सूत्रों ने कहा कि नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति जल्द ही पूरी करना चाहेगा क्योंकि मध्य प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, राजस्थान और मिजोरम में आगामी विधानसभा चुनावों में व्यस्तता रह सकती है। सीटी रवि ने अपनी संभावित पदोन्नति के बारे में न तो पुष्टि की और न ही इनकार किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने 35 साल पहले बूथ अध्यक्ष के रूप में अपने दिनों से पार्टी द्वारा सौंपी गई सभी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया है। 56 वर्षीय नेता राजनीतिक रूप से उतने ही आक्रामक बने हुए हैं, जितने चुनाव से पहले थे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि रवि दो अगस्त को दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करेंगे।

अंधेरे का फायदा उठा एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश, बीएसएफ ने ढेर कर दिया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के आरएस पुरा में एलओसी पर आधी रात के बाद एक घुसपैठिए को मार गिराया गया। बीएसएफ अधिकारियों ने बताया कि जवानों ने संदिग्ध हरकत देखकर सर्च ऑपरेशन शुरू किया और पाकिस्तान की तरफ से घुसपैठ करने वाले को ढेर कर दिया। घटना अर्निया सेक्टर की है। अधिकारियों का कहना है कि रात करीब 2 बजे आतंकी मारा गया। इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इससे पहले 24 जुलाई को भी बीएसएफ ने ड्रग तस्करी की कोशिश को नाकाम करदिया था और सांबा के रामगढ़ इलाके में एक संदिग्ध को मार गिराया था। 17 जुलाई को पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान में घुसपैठ करने वाले दो आतंकियों को मार गिराया

गया था। सुरक्षाबलों ने बताया कि 23 जून को भी कश्मीर के कुपवाड़ा में एलओसी के पास आतंकी घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे थे लेकिन चार आतंकियों को मार गिराया गया था। उनके पास से गोला बारूद का जखीरा बरामद किया गया था। इसमें नौ एके सीरीज की राइफलें शामिल थीं। इसेक अलावा तीन पिस्तौल, ग्रेनेड, कई कारतूस बरामद हुए थे। बता दें कि पाकिस्तान की तरफ से ड्रग तस्करी को लेकर भी बार-बार घुसपैठ की कोशिश की जाती है। हालांकि सीमा पर तैनात जवान सतर्कता बरतते हुए उन्हें ढेर कर देते हैं. पंजाब में पाकिस्तान की सीम पर अकसर ड्रोन भी पाए जाते हैं जिनके जरिए ड्रग्स भेजने की कोशिश की जाती है।

चंद्रमा की कक्षा से सिर्फ 6 दिन दूर चंद्रयान-3, इसरो 1 अगस्त को थ्रस्टर्स चालू करेगा

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो ने चंद्रयान-3 को पृथ्वी की कक्षा से चंद्रमा की कक्षा में भेजने के लिए 1 अगस्त की तारीख तय किया है। इसरो 1 अगस्त को 12 बजे से 1 बजे के बीच चंद्रयान-3 के थ्रस्टर्स को चालू करेगा। इसरो की तरफ से जानकारी दी गई है कि चंद्रयान-3 अब चांद की कक्षा में पहुंचने से सिर्फ 6 दिन दूर है। इसरो के मुताबिक, ट्रांस-लूनर इंजेक्शन की प्रक्रिया पूरा होने में 28 से 31 मिनट के बीच का समय लगेगा। इस प्रक्रिया को मध्यरात्रि में किया जाएगा। साथ ही चंद्रयान-3 के ऑनबोर्ड थ्रस्टर्स को तब फायर किया जाएगा, जब चंद्रयान-3 पृथ्वी के निकटतम बिंदु पर होगा, न कि तब जब सबसे दूर के बिंदु पर होगा।

पृथ्वी की कक्षा में चंद्रयान-3 का वेग-चंद्रयान-3 मौजूदा वक्त में 1 किमी/सेकंड और 10.3 किमी/सेकंड के बीच के वेग से एक अंडाकार कक्षा में पृथ्वी के चारों ओर घूम रहा है। चंद्रयान-3 का वेग धरती के सबसे करीबी बिंदु पर सबसे ज्यादा (10.3 किमी/सेकंड) और धरती से सबसे दूर बिंदु पर सबसे कम होता है। चंद्रयान-3 की रफ्तार को बढ़ाने की कोशिश करते समय उसको तेज रफ्तार की जरूरत होगी। दूसरा कारण यह है कि चंद्रमा की ओर बढ़ने के लिए इसके कोण को बदलना होगा, जिसे चंद्रयान-3 के धरती के सबसे करीबी बिंदु पर बदला जा सकता है।

छह घंटे में टीएलआई लोड होगा

प्रक्रिया में थ्रस्टर्स के चालू होने से लगभग पांच-छह घंटे पहले ट्रांस-लूनर इंजेक्शन (टीएलआई) के कमांड को लोड किया जाएगा। इससे चंद्रमा की ओर बढ़ने के लिए चंद्रयान-3 को अपना कोण बदलने में मदद मिलेगी। इसके अलावा थ्रस्टर्स की फायरिंग से इसकी रफ्तार भी बढ़ेगी। टीएलआई के बाद चंद्रयान-3 का वेग पेरिगी की तुलना में लगभग 0.5 किमी/सेकंड अधिक होने की उम्मीद है। चंद्रयान-3 को औसतन 1.2 लाख किलोमीटर का सफर तय करने में करीब 51 घंटे का समय लगता है, जबकि पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की औसत दूरी 3.8 लाख किमी है। हालांकि, किसी भी दिन वास्तविक दूरी पृथ्वी और चंद्रमा की स्थिति के आधार पर अलग होगी।

लैंडिंग की क्या है प्रक्रिया?

चंद्रयान-3 का अधिक महत्वपूर्ण हिस्सा अंतरिक्ष यान के चंद्रमा की कक्षा में पहुंचने के बाद होगा। चंद्रयान-3 जब चंद्रमा की कक्षा में एक बार पहुंच जाएगा, तो इसरो को चंद्रयान-3 की ऊंचाई को कम करना और उसे 100 किमी की गोलाकार कक्षा में स्थापित करने के लिए प्रक्रिया शुरु करना होगा।

दिल्ली से लेकर यूपी-बिहार तक मूसलाधार बारिश का अलर्ट, पंजाब-हरियाणा में भी बरसेंगे बादल

नई दिल्ली। तपती गर्मी और सूखे का संकट झेल रहे बिहार के किसानों को राहत मिल सकती है। बिहार, झारखंड और ओडिशा में मौसम करवट बदलने वाला है। मौसम विभाग ने अपने ताजा पूर्वानुमान में उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और हरियाणा के लिए भी अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी हल्की बारिश का अनुमान है। आईएमडी ने 31 जुलाई को जारी अपनी रिपोर्ट में देश के अलग-अलग हिस्सों में अगले पांच दिनों तक हल्की से भारी बारिश का अनुमान लगाया है। आइए आज की रिपोर्ट के बारे में जानते हैं।

मौसम विभाग ने अपने ताजा पूर्वानुमान में कहा है, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 31 जुलाई से लेकर चार अगस्त तक भारी बारिश हो सकती है। पूर्वी राजस्थान में भी 2 अगस्त तक बादल बरसने के आसार हैं। उत्तरखांड की बात करें तो यहां एक से चार अगस्त के दौरन भारी बारिश की संभावना है। आईएमडी ने अपनी रिपोर्ट में हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और चंडीगढ़ में 2-3 अगस्त को भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इसके अलावा अलग-अलग जगहों पर अगले पांच दिनों तक बादल बरसे के आसार हैं।

बिहार में करवट लेगा मॉनसून

बिहार के किसान मॉनसून की बेरुखी से परेशान हैं। पूरे प्रदेश में सूखे का संकट मंडरा रहा है। इस बीच मौसम विभाग ने कहा है कि बिहार, झारखंड और ओडिशा में 32 जुलाई से लेकर 4

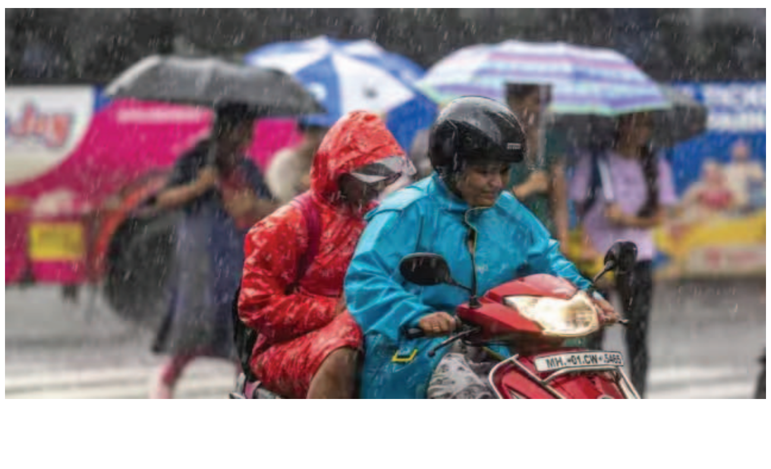

अगस्त तक मूसलाधार बारिश हो सकती है। वहीं, पश्चिम बंगाल में भी 2 अगस्त तक बादल के बरसने की संभावना है। सिक्किम में तीन अगस्त को बारिश हो सकती है।

आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में अभी बारिश होती रहेगी। अगले पांच दिनों के दौरान अलग-अलग जगहों पर हल्की से भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा, आईएमडी ने कहा है कि अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, नागालैंज, मजिरोम और त्रिपुरा में 1 से 3 अगस्त तक मूसलाधार बारिश हो सकती है।

राजस्थान के कुछ हिस्सों में हुई भारी बारिश

राजस्थान में पिछले 24 घंटे के दौरान कई हिस्सों में हल्की से मध्यम स्तर की बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, कुछ जगहों पर भारी बारिश हुई। शनिवार सुबह 8.30 बजे से रविवार सुबह 8.30 बजे के बीच सीकर के दांतारामगढ़ में सबसे ज्यादा 17 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि नवलगढ़ में 10 सेंटीमीटर पानी बरसा। बामनवास (सवाई माधोपुर) और उदयपुरवाटी (झुंझुनू) में 10-10 सेंटीमीटर, श्रीमाधोपुर (सीकर) में नौ सेंटीमीटर, चोमू (जयपुर) और हनुमानगढ़ में सात सेंटीमीटर और अन्य जगहों पर एक से छह सेंटीमीटर तक बारिश दर्ज की गई। विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान राज्य के कई इलाकों में बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना जताई है।

गुजरात के बाद क्या अब मणिपुर बनेगा भाजपा का विकास मॉडल?

तनवीर जाफरी

प्रधानमंत्री बनने से पहले गोरखपुर में एक चुनावी रैली के दौरान नरेंद्र मोदी ने कहा था कि उत्तर प्रदेश को गुजरात बनाने के लिए 56 इंच का सीना चाहिए। और मोदी उसी गुजरात का विज्ञापन विकास मॉडल के रूप में भी करते थे जोकि गोधरा काण्ड और उसके बाद भड़के अल्पसंख्यक विरोधी दंगों के बाद नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारक बना। पिछले दिनों प्रसिद्ध पत्रकार कारन थापर ने मणिपुर के दक्षिणपंथी मैतेई नेता प्रमोद सिंह से बातचीत की जिसमें उन्होंने साफ तौर से यह कहा कि -कुकी-जो आदिवासी समुदाय है उसको पूरी तरह से खत्म कर देंगे, क्योंकि वे हमारा रास्ता रोकते हैं। उन्होंने साफ साफ कहा कि उन्हें सरकार और पुलिस का समर्थन हासिल है।

पूर्वोत्तर के राज्य मणिपुर में गत 3 मई से कुकी और मैतेई समुदायों के बीच शुरू हुई हिंसा अभी भी जारी है। प्राप्त सूचनाओं के अनुसार अब तक प्रदेश में हिंसा की घटनाओं में अब तक 200 से अधिक जानें गई हैं, जबकि 50,000 से अधिक लोगों के विस्थापित होने की खबरें हैं। कुछ समय पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फ्रांस दौरे के बीच ही मणिपुर हिंसा का मुद्दा यूरोपीय संसद में भी उठ चुका है। यूरोपीय संसद ने मणिपुर हिंसा को लेकर बहस की थी तथा भारत की कड़ी आलोचना की थी। हालांकि भारत ने इसे अंदरूनी मामला बताकर यूरोपीय संसद की आलोचना खारिज कर दी थी। मणिपुर हिंसा ने पूरे देश में उस समय और भी आक्रोश पैदा किया जबकि गत 19 जुलाई को कुकी समुदाय की दो महिलाओं को मेतीय समुदाय के युवकों की भीड़ द्वारा निर्वसत्र कर घुमाने और उनके साथ दुर्व्यवहार करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। खबर यह भी है कि इन महिलाओं को निर्वसत्र घुमाने से पूर्व इनके साथ सामूहिक बलात्कार भी किया गया था। हालाँकि यह शर्मनाक अमानवीय घटना 4 मई की बताई जा रही है। परन्तु राज्य में इंटरनेट पर लगे प्रतिबंध के चलते यह वीडियो देर से सार्वजनिक हुई। मणिपुर की घटना कितनी भयावह व अमानवीय है इसके लिये इसे किसी राजनैतिक बयानबाजी या विपक्ष के चश्मे या उस नजरिये से देखने की जरुरत ही नहीं है। बल्कि इस निरंतर हो रही हिंसक घटना से प्रभावित होकर भाजपा द्वारा ही मणिपुर में नियुक्त राज्यपाल अनुसुइया उइके ने क्या कहा यह समझना भी जरूरी है। राज्यपाल अनुसुइया उइके ने गत दिनों एक टी वी चैनल से बातचीत में कहा कि -मणिपुर में लगातार हो रही हिंसा से लोग डरे हुए हैं, लोग मर रहे हैं, ऐसी हिंसा मैंने अपनी जिन्दिगी में कभी नहीं देखी। यहां दो समुदायों में काफी समस्या है जब तक इन मसलों को सुलझाया नहीं जाता तब तक कोई हल नहीं निकलेगा। आपस में जब तक बातचीत नहीं होती तब तक यहां शांति बहाल होना मुश्किल लगता है। मणिपुर के राज्यपाल ने कहा कि यहां के लोगों के दुख और दर्द को देखती हूं तो मुझे काफी तकलीफ होती। लोग मुझसे पूछते हैं कि कब शांति बहाल होगी कई महीने से घर के घर जल रहे हैं और जल गए हैं कई लोग मारे गए हैं। आखिर यह सब कब तक चलता रहेगा?

मणिपुर की घटना का प्रभाव अब भाजपा में ही राज्यपाल के बाद विरोध स्वरों के रूप में अन्य राज्यों में भी नजर

आने लगा है। मणिपुर के पड़ोसी राज्य मिजोरम में भाजपा के उपाध्यक्ष आर वनरामचुआंगा ने भाजपा की मिजोरम इकाई के उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने इस हिंसा को लेकर मणिपुर और केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। कहा जा रहा है कि आर वनरामचुआंगा के इस्तीफे का कारण मणिपुर में चर्चों पर लगातार हो रहा हमला है। अपने त्याग पत्र में, वनरामचुआंगा ने यह कहा भी है कि - मणिपुर और केंद्र सरकार ने पड़ोसी राज्य मणिपुर में चर्चों के विध्वंस का समर्थन किया। उन्होंने त्यागपत्र मे लिखा, ईसाइयों और ईसाई धर्म के प्रति आपराधिक अन्याय के इस कृत्य के विरोध में, मैं तत्काल प्रभाव से भाजपा मिजोरम प्रदेश के राज्य उपाध्यक्ष के रूप में अपना इस्तीफा सौंपता हूं। उन्होंने यह भी दावा किया कि 3 मई से राज्य में जातीय संघर्ष के दौरान पूरे मणिपुर में 357 चर्चों को मैतेई उग्रवादियों ने जलाकर राख कर दिया।

इसी तरह बिहार में भी भाजपा को एक बड़ा झटका देते हुये भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता विनोद शर्मा ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। शर्मा ने पार्टी के अपने सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। इस बात की जानकारी एक पोस्टर के माध्यम से देते हुये विनोद शर्मा ने मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। मणिपुर में हुई महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार को लेकर उन्होंने इसका जिम्मेदार केंद्र व राज्य सरकार को ठहराया। पटना के प्रमुख चौराहों पर लगवाये गये उनके इस्तीफे से संबंधित तमाम बोर्ड व पोस्टर पर लिखा है - भारत की बहन, बेटियां करे चीत्कार-शर्म करो , बेटी बचाओ का नारा देने वाली मोदी सरकार। मान्यवर जे पी नड्डा जी,राष्ट्रीय अध्यक्ष भाजपा, मान्यवर, मणिपुर में बेटियों को पूर्ण नग्न कर भीड़ में सड़कों पर घुमाए जाने के कारण पूरे विश्व में भारत शर्मसार हुआ है। जिसके लिए मणिपुर के भाजपा के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह पूर्ण जिम्मेदार हैं और इसका बचाव करने वाले प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी जी। ऐसे नेतृत्व में काम करते हुए मैं आत्मग्लानि एवं कलंकित महसूस कर रहा हूं। इसलिए तत्काल पार्टी के पदों और पार्टी से इस्तीफा देता हूं उपरोक्त बयानों व आरोपों में से कोई भी बात न तो कांग्रेस नेताओं द्वारा की गयी न ही विपक्ष या नव गठित क ठ. ऊ क अ. द्वारा। फिर आखिर सत्तारूढ़ भाजपा और उसके नेता मणिपुर की घटना का राजनैतिक लाभ उठाने का आरोप विपक्ष पर क्यों और कैसे लगा रहे हैं ? भाजपा के कितने ही मंत्रियों सांसदों कार्यालयों व नेताओं के घर मणिपुर हिंसा में फूँक दिये गये ? और संसद के मॉनसून सत्र की शुरूआत से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब संसद पहुंचे तो उन्होंने कहा, मणिपुर की घटना से मेरा हृदय दुख से भरा है. ये घटना शर्मसार करने वाली है. पाप करने वाले कितने हैं, कौन हैं वो अपनी जगह है, पर बेइज्जती पूरे देश की हो रही है. 140 करोड़ देशवासियों को शर्मसार होना पड़ रहा है. मैं मुख्यमंत्रियों से अपील करता हूं कि वो मां-बहनों की रक्षा के लिए कदम उठाएं. राजस्थान, छत्तीसगढ़, मणिपुर का ज़िक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, घटना चाहे किसी भी राज्य की हो, सरकार चाहे किसी की भी हो, नारी के सम्मान के लिए राजनीति से ऊपर उठकर काम करें। प्रधानमंत्री के इस बयान के बाद तो देश में और भी उबाल आ गया। प्रधानमंत्री का इशारा पाकर जहाँ भाजपा के स्मृति ईरानी जैसे अनेक नेता मणिपुर की घटना के साथ राजस्थान व छत्तीसगढ़ की तुलना करने लगे वहीं विपक्ष ने इसे पूर्णतः राजनैतिक बयान बताया। विपक्ष का कहना है कि राजस्थान व छत्तीसगढ़ की किसी भी घटना से मणिपुर की तुलना नहीं की जा सकती। I. N. D. I. A. ने भी अपना एक 20 सदस्यीय दल मणिपुर भेजा।

दरअसल प्रधानमंत्री बनने से पहले गोरखपुर में एक चुनावी रैली के दौरान नरेंद्र मोदी ने कहा था कि उत्तर प्रदेश को गुजरात बनाने के लिए 56 इंच का सीना चाहिए। और मोदी उसी गुजरात का विज्ञापन विकास मॉडल के रूप में भी करते थे जोकि गोधरा काण्ड और उसके बाद भड़के अल्पसंख्यक विरोधी दंगों के बाद नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारक बना। पिछले दिनों प्रसिद्ध पत्रकार कारन थापर ने मणिपुर के दक्षिणपंथी मैतेई नेता प्रमोद सिंह से बातचीत की जिसमें उन्होंने साफ तौर से यह कहा कि -कुकी-जो आदिवासी समुदाय है उसको पूरी तरह से खत्म कर देंगे, क्योंकि वे हमारा रास्ता रोकते हैं। उन्होंने साफ साफ कहा कि उन्हें सरकार और पुलिस का समर्थन हासिल है। और वे हमसे बच नहीं सकते। सवाल यह है कि मणिपुर में क्या हो रहा है और आगे क्या होने जा रहा है? शायद तभी विश्लेषक मणिपुर की हिंसक घटना की तुलना गुजरात दंगों की तरह करने व इसे सुनियोजित साजिश बताने लगे हैं? तो क्या गुजरात के बाद अब मणिपुर बनेगा भाजपा का कथित विकास मॉडल?

संपादकीय

टीम नड्ड़ा में फेरबदल

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जेपी नड्ड़ा ने इस साल के अंत में होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव और अगले साल होने वाले आम चुनाव के मद्क्ष्देनजर अपनी टीम में बदलाव किया है। हालांकि बदलाव से ज्यादा इसे मामूली फेरबदल कहना ठीक होगा क्योंकि नई टीम में मात्र दो उपाध्यक्ष बदले गए हैं, और 10 सचिवों को फिर मौका दिया गया है यानी तेरह उपाध्यक्षों में से केवल दो को बदलते हुए नड्ड़ा ने ग्यारह को बरकरार रखा है। इसी प्रकार 13 सचिवों में सिर्फ तीन को बदला है, और 10 को फिर मौका दिया गया है। दो मुस्लिमों-अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के पूर्व वीसी तारिक मंसूर और अब्दुल्ला कुट्टी-को उपाध्यक्ष बनाने के साथ ही कांग्रेस के दिग्गज नेता एके एंटनी के पुत्र और कांग्रेस से आए अनिल एंटनी को सचिव पद पर लाया गया है जो ईसाई समुदाय से हैं। इस बदलाव से साफ है कि भाजपा की नजर मुस्लिमों खासकर पसमांदा मुस्लिमों को चुनाव में लामबंद करने की है। पसमांदा मुस्लिमों के लिए पार्टी यात्रा भी निकाल चुकी है। मंसूर और कुट्टी पसमांदा मुस्लिम समाज से आते हैं। चुनाव निकट होने के कारण माना जा रहा था कि नड्ड़ा कभी भी अपनी टीम में बदलाव कर सकते हैं। दरअसल, भाजपा तय कर चुकी थी कि लोक सभा चुनाव नड्ड़ा के नेतृत्व में लड़ेगी। इसलिए बीते जनवरी माह में नड्ड़ा का कार्यकाल बढ़ाया गया ताकि लोक सभा चुनाव के दौरान वे पार्टी की कमान संभाल सकें। अब उन्होंने अपनी टीम में जो बदलाव किया है, उसमें पार्टी की रणनीति दिख रही है। महिलाओं, पसमांदा मुस्लिम, केरल, असम, छत्तीसगढ़ को मिली तवज्जो चुनाव के मद्नेनजर ही है। राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे, छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम रमन सिंह और झारखंड़ के पूर्व सीएम रघुबर दास को टीम में लिया जाना बताता है कि पार्टी चुनाव में कोई जोखिम नहीं लेना चाहती। इसलिए नई टीम में 8 लोग यूपी से लिए गए हैं, और 9 महिलाओं को भी शामिल किया गया है। यूपी से राज्य सभा सांसद सुरेंद्र सिंह नागर को टीम में शामिल किया है, वे गुर्जर समाज से आते हैं, और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गुर्जर बहुल क्षेत्रों में पार्टी उनकी उपयोगी भूमिका देख रही है। कामकाजी प्रदर्शन पर भी ध्यान दिया गया है। कर्नाटक में भाजपा की हार के कारण सीटी रवि की छुट्टी कर दी गई। हालांकि रवि कुछ दिनों पहले तक पार्टी की अगली पीढ़ी के अहम चेहरे माने जाते थे। कुल मिलाकर, टीम नड्ड़ा में अनुभवी और युवा चेहरों को तरजीह मिली है।

चिंतन-मनन

ध्वनि का प्राणी शरीर पर प्रभाव

यह जानकर खुश होगें की ध्वनि का प्रभाव प्रत्येक जीव के शरीर पर पड़ता है। वर्तमान औधोगिकी करण और तकनीकि से ध्वनि प्रदूषण अधिक मात्रा में बढ़ रहा है। इस ध्वनि प्रदूषण के परिणाम देखते हुये नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. राबर्ट कॉक ने सन 1925-26 में एक बात कही थी एक दिन ऐसा आयेगा, जब पूरे विश्व में स्वस्थ्य का सबसे बड़ा शत्रु ध्वनि प्रदूषण होगा। यह ध्वनि प्रदुषण दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। मानव का मन, मस्तिष्क और शरीर बहुत संवेदन शील हैं। यह ध्वनि तरगों के प्रति भी बेहद संवेदन शील है। जैसे जब कोई संगीत सहित, गीत गाता है,या वाद्य बजाता है तो मन अपने आप उस पर केन्द्रित हो जाता है उसे सुनते ही अंग-अंग थिरकने लगता है, मन प्रसन्नता से भर जाता है, शरीर में आनंद की लहर छा जाती है। इसके विपरीत कानो को अप्रिय लगने वाली तेज ध्वनि सुनाई देती है तब मानव को शारीरिक और मानसिक दोनो तरह की परेशानी होती है। जिससे व्यक्ति का मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है एवं स्वस्थ्य खराब हो जाता है। वह बहरा और पागल भी हो सकता है।

डेसी बल ध्वनि की तीव्रता नापने की इकाई है। इसका अविष्कार ह्यग्राहमबेलह्न बैज्ञानिक ने किया था। आधुनिक वैज्ञानिकों का कहना है कि 150 डेसीबल की ध्वनि बहरा भी बना सकती है। 160 डेसीबल की ध्वनि त्वचा जला देती है। 180 डेसीबल की ध्वनि मौत की नींद सुला सकती है। 120 डेसीबल की ध्वनि ह्रदयगति बढ़ना प्रारंभ हो जाती है। जिससे ह्रदय रोग एवं उच्च रक्त चाप की बीमारी जन्म लेती है। हर मानव को 60 डेसीबल तक की ध्वनि वाले वातावरण में रहना चाहिए प्रदूषण की श्रेणी में 75 डेसीबल से अधिक की ध्वनि शोर आता है। ध्वनि प्रदुषण से आंखों की पुतली का मध्य छिद्र फैल जाता है, आमाशय और आँतों पर घातक प्रभाव से पाचन क्रिया बिगड़ जाती है। इससे शरीर की प्रति रोधी क्षमता घट जाती है, ग्रनथियों से हार्मोन्स का श्राव अनियमित हो जाता है, स्नायु खिच जाते है, शरीर में थकान, मानसि तनाव, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा, स्मरण शक्ति कमजोर हो जाती अतः हमें तेज ध्वनि से बचना चाहिए।

विधानसभा चुनाव, बंटाधार-करप्शन नाथ, भ्रष्टाचार एवं घोटाले के नाम पर

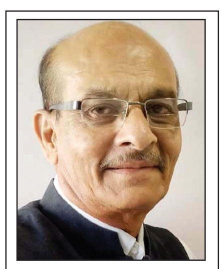

सनत जैन

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए शंखनाद हो चुका है। पक्ष और विपक्ष ने अपने अपने तरकश से तीर निकालना शुरू कर दिए हैं। चुनावी रण के लिए चक्रव्यूह की रचना भी शुरू हो गई है। 2023 का मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव, हर मामले में पिछले सारे रिकॉर्ड को तोड़कर नया कीर्तिमान रचने जा रहा है। हाल ही में केंद्रीय गृहमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह इंदौर पहुंचे। उन्होंने विजय संकल्प सम्मेलन को संबोधित करते हुए, विपक्षी दल कांग्रेस पर अपने तरकश से तीर छोड़े। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को करप्शन नाथ बताया। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को बंटाधार बताते हुए, अमित शाह ने प्रश्न किया जब कांग्रेस 2003 में सत्ता छोड़कर गई थी। तब भाजपा सरकार को कितना बजट सौंप कर गए थे। अमित शाह ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को निशाने पर लेते हुए कहा,कि वह सरकार छोड़कर बाहर गए थे। तब 23000 करोड का बजट मध्यप्रदेश का था। 2023 में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 3,14,000 करोड का बजट पेश किया। अमित शाह ने मालवा की धरती से चुनावी बिगुल बजा दिया है। वहीं कांग्रेस भी इस चुनाव को एक नई रणनीति के तहत लड़ने जा रही है। कर्नाटक विधान सभा के चुनाव में कांग्रेस ने जिस तरह भाजपा सरकार को भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घेरा था। इसके अलावा हिंदुत्व के मुद्दे पर भी कर्नाटक में कांग्रेस ने नई तरीके की आक्रमक होकर लड़ाई लड़ी थी। कांग्रेस कर्नाटक का चुनावी मॉडल, मध्यप्रदेश में लेकर आई है। निश्चित रूप से कांग्रेस मुख्यमंत्री शिवराज सिंह और भाजपा को घेरने के लिए भ्रष्टाचार, घोटाले, महंगाई और बेरोजगारी,को मुख्य मुद्दा बनाकर चुनाव के मैदान में उतरने जा रही है। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, दिग्विजय सिंह हिंदुत्व के मुद्दे पर भाजपा सरकार को बराबरी की टक्कर दे रहे हैं। इंदौर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भगवान परशुराम की जन्मस्थली जानापाव पहुंचे। वहां पर उन्होंने भगवान शिव का अभिषेक किया। कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ भी पीछे नहीं रहे। उन्होंने भी इंदौर की सभा के बाद महादेव का जलाभिषेक किया। भगवान राम और बजरंगबली का सहारा लेकर भक्ति के साथ कांग्रेस भी चुनाव मैदान मे है। 2023 के विधानसभा चुनाव में भगवानों के लिए भी बड़ा धर्म संकट उत्पन्न होता हुआ दिख रहा है। वह अपने किस भक्त के साथ जाकर खड़े हों। कांग्रेस और भाजपा विधानसभा चुनाव के मुकाबले में बराबरी पर आकर खड़ी हैं। कोई भी पक्ष किसी से कम नजर नहीं आ रहा है। भाजपा को भ्रष्टाचार, घोटाले, कमीशन खोरी के आरोप में घेरने की तैयारी कांग्रेस कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के संसदीय क्षेत्र में बागेश्वर धाम का एक बड़ा आयोजन कमलनाथ द्वारा आयोजित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में धार्मिक आयोजनों की श्रृंखला में कांग्रेस भी पीछे नहीं है। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर पक्ष और विपक्ष ने अपने अपने तरकस के लिए जो तीर तैयार किए हैं। दोनों ही पक्ष अपनी-अपनी सेनाओं को एकजुट कर रहे हैं। प्रारंभिक रूप से भारतीय जनता पार्टी मे बगावत की जो आशंका थी। उस पर बहुत हद तक काबू पा लिया गया है। टिकट वितरण का पैटर्न मध्यप्रदेश में भाजपा का बदला हुआ होगा। भाजपा में उन नेताओं को टिकट भी मिलेगी, जो 75 वर्ष की उम्र पूरी कर चुके होंगे। जो स्वयं चुनाव जीतने और अन्य विधानसभा सीटों को जिताने का सामर्थ, जिन नेताओं का होगा। ऐसे नेताओं को भाजपा में अब रिटायर नहीं किया जाएगा। प्रभावशील भाजपा के वरिष्ठ नेताओँ के परिवार जन को भी टिकट देकर उनकी राजनैतिक ताकत का लाभ इस चुनाव में उठाने की रणनीति पर भाजपा काम कर रही है। भाजपा की संगठन क्षमता मैदानी स्तर पर कांग्रेस से बहुत बेहतर है। कांग्रेस इस मामले में भाजपा का मुकाबला करने की स्थिति में नहीं है। कांग्रेस नेता कह रहे हैं, कि महाभारत के युद्ध में कौरवों के पास भगवान श्री कृष्ण की सेना शामिल थी। युद्ध भूमि में सैन्य बल कौरवों के पास ज्यादा था। कौरवों के पास बड़े-बड़े योद्धा भी थे। रणभूमि में पांडवों के सारथी बनकर भगवान कृष्ण पांडवों के साथ मिलकर युद्ध लड़ रहे थे। कांग्रेस को विश्वास है, कि 20 साल के भाजपा के कुशासन का अंत करने के लिए, कांग्रेस चुनाव मैदान में उतर रही हैं। उसके साथ जनता जनार्दन चुनाव मैदान में खड़ी होगी। कांग्रेस धर्म की लड़ाई लड़ रही है। 2023 का विधानसभा चुनाव कांग्रेस महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और अहंकार के खिलाफ जनता की लड़ाई लड़ रही है। कांग्रेसी मानते हैं कि जनता की लड़ाई में वह जीत हासिल करेगी। यह लोकतंत्र का धर्म युद्ध है। वहीं भाजपा भी इस लड़ाई में कहीं पीछे नहीं हैं। दोनों ही योद्धाओं में बराबरी की टक्कर वर्तमान में देखने को मिल रही है।

वर्ल्ड वाइड वेब दिवस:जीवन का अभिन्न अंग बन गया है वर्ल्ड वाइड वेब

योगेश कुमार गोयल

इंटरनेट ज्ञान और मनोरंजन का ऐसा खजाना है, जिसके माध्यम से किसी एक कोने में बैठे हुए ही आप दुनिया भर की सैर कर सकते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि इंटरनेट के माध्यम से विश्वभर की हर प्रकार की महत्वपूर्ण जानकारियों को एक छोटे से बंद कमरे में रखे कम्प्यूटर या मोबाइल की स्क्रीन पर समेटकर ला देने वाला मूल मंत्र हहह (वर्ल्ड वाइड वेब) आज हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनता जा रहा है। यही शब्द प्रतिदिन दुनियाभर में करोड़ों कम्प्यूटरों पर असंख्य बार टाइप किया जाता है लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि 'डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू' नामक इंटरनेट की मायावी दुनिया में प्रवेश कराने वाली यह खिड़की कब और कैसे अस्तित्व में आई? वर्ष 1989 में 'डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू' नामक इस मायावी शब्द को जन्म दिया था ऑक्सफोर्ड के क्वींस कॉलेज से ग्रेजुएशन कर चुके टिम बर्नर्स ली ने। वर्तमान में वेबपेज से जुड़ने या उसका निर्माण करने के लिए जो भी तरीके अपनाए जाते हैं, उनके पीछे बर्नर्स का ही दिमाग है।

8 जून 1955 को लंदन में जन्मे बर्नर्स ली ने 1976 में ऑक्सफोर्ड के क्वींस कालेज से ग्रेजुएशन किया था और उसी दौरान मात्र 21 वर्ष की उम्र में ही उन्होंने अपने लिए एक छोटा सा कम्प्यूटर सैट बना लिया था। बर्नर्स ली के दिमाग में 1980 में अचानक ही 'डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू' से संबंधित शुरूआती विचार आया। उस दौरान वह एक कम्पनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में कार्य कर रहे थे। तब उन्होंने कम्प्यूटर में मौजूद विभिन्न फाइलों को आपस में जोड़ने के लिए 'इनक्वायर' नामक एक प्रोग्राम तैयार किया था। वह कम्प्यूटर पर मौजूद अपने दस्तावेजों और फाइलों को खोलने के लिए कुछ खास कोड नंबरों का प्रयोग किया करते थे और उनका यह तरीका कम्प्यूटर पर सफलतापूर्वक काम भी करता था किन्तु उन्होंने इससे भी आगे कुछ करने की ठानी थी। दरअसल बर्नर्स ली एक ऐसा ग्लोबल प्रोजेक्ट बनाना चाहते थे, जिसकी मदद से दुनिया के सभी कम्प्यूटरों को एक व्यापक सूचना तंत्र द्वारा जोड़ा जा सके और उन्हें अपने उद्देश्य में सफलता भी मिली। वह इंटरनेट के जरिये दुनियाभर के लोगों को सूचनाओं के एक विस्तुत नेटवर्क से जोड़ पाने में सफल हो गए। इस तरह इंटरनेट पर 'डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू' की शुरूआत 1991 में हुई।

टिम बर्नर्स-ली को एक इंटरनेट-आधारित संचार प्रणाली विकसित करने में उनकी रचनात्मकता के लिए सम्मानित करने के लिए प्रतिवर्ष 1 अगस्त को 'वर्ल्ड वाइड वेब दिवस' मनाया जाता है। 1993 में इंटरनेट पर 'टेक्सट' के साथ-साथ पिक्चर्स व ग्राफिक्स का प्रसारण भी शुरू हो गया, जिससे धीरे-धीरे इसकी लोकप्रियता बढ़नी शुरू हो गई और आज इंटरनेट की लोकप्रियता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि इंटरनेट का उपयोग करने वालों की संख्या आज दुनिया भर में करोड़ों में हैं। इस बात से आज हर कोई परिचित है कि इंटरनेट ज्ञान और मनोरंजन का खजाना है पर आपको यह खजाना खोजना भी तो आना चाहिए। वर्ल्ड वाइड वेब पर एक ही विषय पर महत्वपूर्ण जानकारियों के असंख्य पृष्ठ भरे पड़े हैं, यदि आपको उनमें से अपने मतलब की जानकारी खोजने का तरीका ही मालूम नहीं हो तो आपके लिए यह सब किस काम के?

मान लिया जाए कि जिस विषय पर आपको किसी जानकारी की आवश्यकता है, उससे संबंधित कुछ वेबसाइटों की आपको जानकारी भी है लेकिन यदि उन वेबसाइटों पर आपके मतलब की जानकारी न मिले, तब आप क्या करेंगे? आपकी इसी मुश्किल को आसान करता है इंटरनेट सर्च इंजन। इंटरनेट पर कुछ भी खोजते समय इंटरनेट सर्च इंजन ही आपकी मदद करता है। जिस भी विषय के बारे में आप जानकारी चाहते हैं, इंटरनेट सर्च इंजन के टूल बार में उसका नाम टाइप करने के बाद एक क्लिक करते ही यह उस विषय से संबंधित ढ़ेरों पेज आपके सामने खुल जाते हैं और इस तरह आप अपनी जरूरत आसानी से पूरी कर सकते हैं। जब भी आप सर्च इंजन में कोई शब्द या वाक्य टाइप कर उससे संबंधित जानकारी चाहते हैं तो सर्च इंजन उस शब्द या वाक्य से संबंधित पृष्ठों की एक विस्तृत सूची बनाकर आपके सामने लाकर रख देता है, जिसमें से आप अपनी जरूरत की जानकारियां प्राप्त कर सकते हैं। दरअसल सर्च इंजन एक ऐसा प्रोग्राम है, जो विभिन्न प्रोग्राम्स के तहत कार्य करता है और इंटरनेट पर उपलब्ध सभी वेबसाइटों के लाखों-करोड़ों पृष्ठों को अपने अंदर समेटे रहता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोने और चांदी में आया उछाल

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोमवार को सोने और चांदी में तेजी आयी है। दिल्ली सर्राफा बाजार के खुलते ही माह के अंतिम दिन सोने-चांदी के दाम उपर आये हैं। सोने की कीमत 60 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम के ऊपर निकल गयी जबकि चांदी के दाम 73 हजार रुपए प्रति किलो से अधिक है। वहीं 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 60654 रुपए है, वहीं चांदी की कीमत 73954 रुपए है। बाजारा जानकारों के अनुसार क्रवार 28 जुलाई को 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का रेट 60569 रुपए था, जो सोमवार को 88 रुपए उछाल के साथ 60654 रुपए पर आ गया है और 22 कैरेट सोना शुक्रवार को 56434 रुपए प्रति 10 ग्राम था, जो अब 95 रुपये महंगा होने के कारण 56529 रुपए हो गया है। शनिवार और रविवार को दिल्ली का सर्राफा बाजार बंद रहता है, इसलिए शुक्रवार वाले दाम पर ही सोने और चांदी की बिक्री होती है। चांदी की कीमत 31 जुलाई को 87 रुपए उछाल के साथ 73954 रुपए प्रति किलो हो गई।

केप तकनीक ने लगभग 200 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया

मुंबई । केप तकनीक ने कथित तौर पर सभी विभागों से लगभग 200 कर्मचारियों को निकाल दिया है। एक्सप्रेसवीपीएन, साइबरघोस्ट और प्राइवेट एक्सेस इंटरनेट (पीआईए) सहित कई पॉपुलर वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) सर्विस के लिए केप टेक्नोलॉजीज काम करता है। रिपोर्ट के अनुसार, कुछ प्रभावित विभागों में एक्सप्रेसवीपीएन, प्राइवेट इंटरनेट एक्सेस (पीआईए) और साइबरघोस्ट शामिल हैं। नौकरी से निकाले गए कई कर्मचारियों ने पेशेवर नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म लिंक्डइन पर ओपन टू वर्क नोटिफिकेशन के साथ अपनी बर्खास्तगी के बारे में बात की। एक लिंक्डइन पोस्ट में लिखा है कि जैसा कि आप में से बहुत से लोग जानते होंगे, केप टेक्नोलॉजीज (जिसमें एक्सप्रेसवीपीएन, साइबरघोस्ट और पीआईए वीपीएन ब्रांड शामिल हैं) को 1 जून को निजीकृत कर लिया गया और इस हफ्ते उन्होंने अपने ग्लोबल वर्कफोर्स के लगभग 30 प्रतिशत की छंटनी करने का निर्णय लिया है। उन्होंने उल्लेख किया, मैंने अपने कई अद्भुत सहयोगियों के साथ अपना पद छोड़ने का फैसला किया। मैं आधिकारिक तौर पर एक्सप्रेसवीपीएन और केप प्राइवेसी डिवीजन के सीटीओ के रूप में अपने प्रस्थान की घोषणा कर रहा हूं। लिंक्डइन प्रोफाइल के अनुसार, केप के यूके, इजराइल, जर्मनी, रोमानिया, फ्रांस, फिलीपींस, अमेरिका, सिंगापुर, हांगकांग और साइप्रस समेत 10 ग्लोबल लोकेशन पर 1,000 से अधिक कर्मचारी हैं।

जून में चाय उत्पादन घटकर 13.78 करोड़ किलो हुआ

कोलकाता । इस साल जून में चाय उत्पादन सालाना आधार पर 3.7 प्रतिशत घटकर 13.78 करोड़ किलोग्राम रह गया है। जून 2022 में यह आंकड़ा 14.31 करोड़ किलोग्राम था। चाय बोर्ड के अनंतिम आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन महीने के दौरान उत्तर भारत में 10 करोड़ 97 लाख किलोग्राम चाय का उत्पादन हुआ, जबकि दक्षिण भारत में उत्पादन मात्रा दो करोड़ 81.5 लाख किलोग्राम थी। उत्तर भारत में, असम में जून 2023 में छह करोड़ 35 लाख किलोग्राम चाय का उत्पादन हुआ, जबकि जून 2022 में यह आंकड़ा 51.6 लाख किलोग्राम था। उत्तर भारत के अन्य प्रमुख उत्पादक राज्य पश्चिम बंगाल ने इस साल जून में चार करोड़ 26.4 लाख किलोग्राम चाय का उत्पादन हुआ। भारतीय चाय संघ (आईटीए) के सूत्रों ने कहा कि उत्पादन मात्रा में गिरावट का कारण प्रतिकूल मौसम का होना और बागानों में कीटों के हमले का होना है।

पांच सस्ती इलेक्ट्रिक कारें बाजार में उपलब्ध

- हर साल होगी हजारों की बचत

नई दिल्ली ।

भारत में इलेक्ट्रिक बाइक और स्कूटर के अलावा अब काफी संख्या में लोग इलेक्ट्रिक कार खरीदने लगे हैं। हालांकि, अब भी पेट्रोल और डीजल कारों की तुलना में इलेक्ट्रिक गाड़ियां अधिक महंगी हैं। ऐसे में मार्केट में आपको कई इलेक्ट्रिक कारों के विकल्प मिल जाएंगे। इलेक्ट्रिक कार खरीदने पर आप सरकार से मिलने वाली सब्सिडी के भी हकदार हो सकते हैं। दिल्ली में इलेक्ट्रिक कारों की खरीद पर 1-1.5 लाख रुपये तक की सब्सिडी दी जा रही है। सब्सिडी की राशि सीधे ग्राहक के खाते में ट्रांसफर कर दी जाती है। एमजी कॉमेट ईवी देश की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार है। इसमें 17.3 केडब्ल्यूएच क्षमता की बैटरी पैक मिलती है। फुल चार्ज पर कॉमेट ईवी की रेंज 230केएम है। इस कार में कॉमेट में रियर-व्हील ड्राइव इलेक्ट्रिक मोटर लगाया गया है जो 42 बीएचपी की पॉवर और 110 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। कॉमेट की बैटरी को पूरी तरह चार्ज होने में 5-6 घंटे का समय लगता है। इसकी कीमत की बात करें तो कॉमेट ईवी की कीमत 7.98 लाख रुपये से 9.98 लाख रुपये (एक्स शोरूम) के बीच है।टाटा टियागो ईवी देश की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक इलेक्ट्रिक कारों में से एक है।

इसकी एक्स-शोरूम कीमत 8.69 रुपये से 11.99 लाख रुपये के बीच है। टाटा टियागो ईवी को कंपनी चार वेरिएंट में बेच रही है। वहीं इसमें 19.2 केडब्ल्यूएच और 24 केडब्ल्यूएच के दो बैटरी पैक ऑप्शन मिलते हैं, जिनकी रेंज क्रमशः 250केएम और 315 है। टिआगो ईवी का इलेक्ट्रिक मोटर 74 बीएचपी पॉवर और 114 एनएम टॉर्क जनरेट करता है।टाटा नेक्सॉन ईवी की बात करें तो इसकी कीमत 14.49 लाख रुपये से शुरू होती है। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी में 30.2 केडब्ल्यूएच की लिथियम आयन पॉलीमर बैटरी पैक मिलती है। इसमें पॉवरफुल इलेक्ट्रिक मोटर लगाया गया है जो कि 127 बीएचपी पॉवर और 245 एनएम का टार्क जेनरेट करता है। टाटा टिगोर ईवी देश की सबसे अफोर्डेबल इलेक्ट्रिक सेडान है। इसकी एक्स शोरूम कीमत 12.49 लाख रुपये से 13.75 लाख रुपये के बीच है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया सोमवार को एक पैसे की गिरावट के साथ ही 82.29 पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और घरेलू शेयर बाजारों से विदेशी कोषों की बिकवाली के कारण सोमवार को शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सात पैसे नीचे आकर 82.25 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतें 84 डॉलर प्रति बैरल से अधिक होने से भी रुपए पर विपरीत प्रभाव पड़ा। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.23 पर खुला और बाद के कारोबार में यह 82.25 तक चला गया। यह पिछले बंद भाव के मुकाबले सात पैसे की गिरावट दिखा रहा है। रुपया शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले 82.18 पर बंद हुआ था।

सैमसंग भारत के सुपर प्रीमियम खंड में 50 फीसदी बाजार हिस्सेदारी खरीदेगी

सियोल । दक्षिण कोरिया की प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक कंपनी सैमसंग की भारत के सुपर प्रीमियम खंड में 50 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी प्राप्त करने पर नजर है। कंपनी का कहना है कि वह अपनी फोल्डेबल डिवाइस गैलेक्सी फोल्ड 5 और गैलेक्सी फ्लिप 5 के जरिए इस लक्ष्य को हासिल करने में सफल होगी। फिलहाल भारत के सुपर प्रीमियम स्मार्टफोन खंड में आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल का दबदबा है। इस श्रेणी में 1,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 82,000 रुपए) से अधिक कीमत वाले हैंडसेट शामिल हैं। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के अध्यक्ष और मोबाइल अनुभव कारोबार के प्रमुख टीएम रोह ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य सुपर प्रीमियम खंड में गैलेक्सी फोल्ड 5 और गैलेक्सी फ्लिप 5 की पेशकश के साथ अपनी बाजार हिस्सेदारी को मौजूदा 35 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करना है। उन्होंने कहा ` कि भारत के सुपर प्रीमियम खंड में सैमसंग फोल्डेबल की बाजार हिस्सेदारी लगभग 35 प्रतिशत है। अब फोल्ड 5 और फ्लिप 5 की पेशकश के साथ हम इस खंड में 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदार का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। काउंटरप्वाइंट रिसर्च के अनुसार सैमसंग ने 2023 की पहली तिमाही में 20 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ भारतीय बाजार का नेतृत्व किया और अल्ट्रा प्रीमियम श्रेणी (45,000 रुपये से अधिक के स्मार्टफोन) में इसकी हिस्सेदारी एक साल में 247 प्रतिशत बढ़ गई। हालांकि, 62 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ अल्ट्रा प्रीमियम खंड में एप्पल सबसे आगे रहा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 367367 , निफ्टी 107 अंक उछला

मुम्बई ।

शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली (खरीददारी) हावी होने से बाजार में ये उछाल आया है हालांकि इंट्रा-डे कारोबार (एक ही दिन में शेयर खरीदने बेचने) में शुरुआती गिरावट दर्ज की गयी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 367.47 अंक करीब 0.56 फीसदी की बढ़त के साथ ही 66,527.67 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 66,598.42 तक ऊपर जाने के बाद 65,998.90 तक नीचे आया। वहीं, दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) निफ्टी भी 107.75 अंक तकरीबन 0.55 फीसदी ऊपर आया है। निफ्टी दिन के अंत में 19,753.80 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,772.75 की ऊंचाई तक जाने के बाद 19,597.60 तक फिसला। आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में से 23 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। एनटीपीसी, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील और टीसीएस सेंसेक्स के शीर्ष पांच लाभ वाले शेयर रहे। सबसे ज्यादा बढ़त करीब 3.71 फीसदी एनटीपीसी के शेयरों में रही।

वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में से केवल 7 शेयर ही नुकसान में रहे। बजाज फाइनैंस, कोटक बैंक, एचयूएल, आईटीसी और भारती एयरटेल के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। सबसे ज्यादा नुकसान बजाज फाइनैंस के शेयरों को हुआ। इसके शेयर करीब 1.18 फीसदी तक गिरे। इसके अलावा एशियन पेंट्स और नेस्ले इंडिया के शेयर भी नीचे आये हैं।

इससे पहले गत कारोबारी सत्र में सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट रही थी।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट पर हुई। बीएसई सेंसेक्स 100 अंक से अधिक गिरकर 66,050 के स्तर से नीचे कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 50 इंडेक्स 19,650 के स्तर से नीचे फिसल गया। बाजार विशेषज्ञों का कहना है` कि वित्तीय और उपभोक्ता शेयरों के कारण बाजार में गिरावट आई, क्योंकि निवेशकों ने जून तिमाही के परिणामों के बीच अपनी स्थिति मजबूत की।

फोर्ड ने अमेरिका में 870,701 एफ-150 ट्रकों को रिकॉल किया

सैन फ्रांसिस्को ।

फोर्ड मोटर ने अमेरिका में 870,701 एफ-150 ट्रकों को रिकॉल किया है, जिनके इलेक्ट्रिक पार्किंग ब्रेक में संभावित रूप से वायरिंग से संबंधित समस्या हो सकती है। नेशनल हाईवे ट्रैफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन (एनएचटीएसए) को एक सुरक्षा रिकॉल रिपोर्ट में, फोर्ड ने कहा कि रियर एक्सल वायरिंग हार्नेस बंडल प्रभावित वाहनों में रियर एक्सल हाउसिंग के संपर्क में आ सकता है, जिससे इलेक्ट्रिक पार्किंग ब्रेक में समस्‍या आ सकती है। एनएचटीएसए ने कहा, क्षतिग्रस्त इलेक्ट्रिक पार्किंग ब्रेक वायरिंग से वाहन चलाते समय अनजाने में पार्किंग ब्रेक लग सकता है, जिसके परिणामस्वरूप वाहन का नियंत्रण खो सकता है और इससे दुर्घटना का खतरा बढ़ सकता है। वापस बुलाए गए ट्रकों का निर्माण तीन साल की अवधि के दौरान किया गया था। प्रभावित होने वाले 870,701 ट्रक मॉडल वर्ष 2021 से 2023 तक के हैं। रिपोर्ट के अनुसार, प्रभावित एफ-150 पिकअप के मालिकों को 11 सितंबर से शुरू होने वाली रिकॉल और मरम्मत कार्यों के पत्र प्राप्त होने हैं, उसी तारीख को डीलरों को एक अधिसूचना जारी की जाएगी। 23 फरवरी, 2023 को, फोर्ड के क्रिटिकल कंसर्न रिव्यू ग्रुप ने 2021 मॉडल वर्ष एफ-150 वाहनों पर पार्किंग ब्रेक अनुप्रयोगों का वर्णन करने वाली रिपोर्टों की जांच शुरू की थी। वारंटी और फ़ील्ड रिपोर्ट दोनों से पता चला कि रियर इलेक्ट्रिक पार्किंग ब्रेक सर्किट वाली वायरिंग क्षतिग्रस्त हो गई थी। 11 जुलाई, 2023 तक, फोर्ड को उत्तरी अमेरिका में तार फटने की स्थिति के लिए अगस्त 2021 से जुलाई 2023 की सीमा के भीतर 918 वारंटी और तीन फ़ील्ड रिपोर्ट के बारे में पता है। मार्च में, फोर्ड मोटर ने दोषपूर्ण बैटरी वाले 18 इलेक्ट्रिक एफ-150 लाइटनिंग पिकअप ट्रकों के लिए एक रिकॉल नोटिस जारी किया।

गो फर्स्ट ने एनसीएलटी से रद्द टिकटों का पैसा लौटाने के लिए अनुमति मांगी

नई दिल्ली । विमानन कंपनी गो फर्स्ट ने राष्ट्रीय कंपनी कानून अधिकरण (एनसीएलटी) से आग्रह किया है कि उसे तीन मई और उसके बाद की टिकट बुक करने वाले यात्रियों को पैसा लौटाने की अनुमति दी जाए। नकदी संकट का सामना कर रही एयरलाइन कंपनी ने उड़ान सेवा तीन मई से निलंबित की हुई है। गो फर्स्ट के समाधान पेशेवर ने एनसीएलट की दिल्ली शाखा में नई याचिका दायर कर तीन मई और उसके बाद की यात्रा टिकटों का पैसा लौटाने की अनुमति देने का आग्रह किया है। इस याचिका पर सोमवार को महेंद्र खंडेलवाल और राहुल पी भटनागर की सदस्यता वाली एनसीएलटी पीठ सुनवाई करेगी। गो फर्स्ट को यह अनुमति मिल जाती है तो इससे उन यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी, जिनका पैसा फंसा है।

छह करोड़ से ज्यादा आईटीआर किए जा चुके दाखिल

- आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई, इसके बाद लगेगा जुर्माना

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2022-23 के लिए रविवार शाम तक छह करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किए जा चुके हैं। यह संख्या पिछले साल 31 जुलाई तक दाखिल किए गए आईटीआर के आंकड़े को पार कर गई है। वेतनभोगी वर्ग और ऐसे लोग जिन्हें अपने खातों का ऑडिट कराने की जरूरत नहीं है, उनके लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई है। आयकर विभाग ने ट्वीट किया` कि 30 जुलाई को शाम साढ़े छह बजे तक छह करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए जा चुके थे, जिसमें से 26.76 लाख आईटीआर रविवार को दाखिल किए गए। विभाग ने कहा कि आईटीआर दाखिल करने के लिए फोन, लाइव चैट और सोशल मीडिया के जरिए करदाताओं की लगातार मदद की जा रही है। वित्त वर्ष 2022-23 और असेसमेंट ईयर 2023-24 के लिए आईटीआर फाइल करने का आखिरी दिन है। जो लोग आज आईटीआर नहीं भर पाते हैं उन्हें कल से आईटीआर फाइल करने के लिए जुर्माना देना पड़ेगा। देर से आईटीआर फाइल करने पर जुर्माना वेतन के हिसाब से लगता है। 31 दिसबंर 2023 तक अधिकतम 5000 रुपए के जुर्माने के साथ आईटीआर फाइल किया जा सकेगा। जिस व्यक्ति की कर योग्य आय 5 लाख से ज्यादा नहीं है उसे लेट फीस के रूप में 1000 रुपए का भुगतान करना होगा। वहीं इससे अधिक कर योग्य आय वाले लोगों को 5000 रुपए का भुगतान करना होगा। अगर आपको आयकर विभाग से रिफंड मिलना है तो वह केवल आईटीआर फाइल करने के बाद ही मिलेगा। जुर्माने के अलावा लेट आईटीआर फाइल करने के सबसे बड़े नुकसान में से एक यह है कि आपको रिफंड की रकम तो मिलेगी लेकिन उस पर ब्याज नहीं दिया जाएगा। इसलिए अगर आपको टीडीएस कटने की वजह से रिफंड मिलने वाला है तो उस पर ब्याज के लिए आज ही आईटीआर फाइल कर दें।

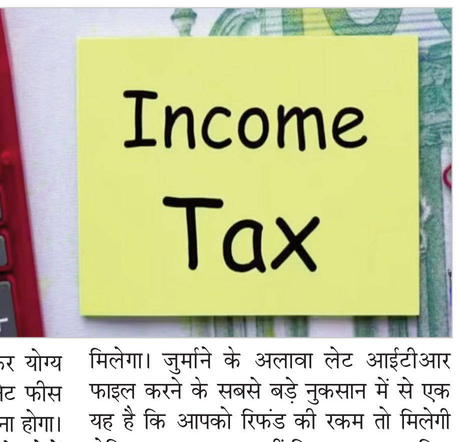

आरबीआई ब्याज दर पर यथास्थिति बनाए रख सकता है: विशेषज्ञ

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक अपनी आगामी द्विमासिक नीति समीक्षा में लगातार तीसरी बार प्रमुख ब्याज दरों पर यथास्थिति बनाए रख सकता है। विशेषज्ञों ने यह अनुमान जताया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व और यूरोपीय सेंट्रल बैंक के प्रधान दरों में बढ़ोतरी के बावजूद घरेलू मुद्रास्फीति आरबीआई के सहनशील दायरे में बनी हुई है। आरबीआई ने पिछले साल मई से ब्याज दरों में बढ़ोतरी शुरू की थी, हालांकि इस साल फरवरी के बाद से रेपो दर 6.5 प्रतिशत पर स्थिर है। अप्रैल और जून में पिछली दो द्विमासिक नीति समीक्षाओं में इसमें बदलाव नहीं किया गया। आरबीआई गवर्नर की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक 8-10 अगस्त को होगी। नीतिगत निर्णय की घोषणा 10 अगस्त को गवर्नर शक्तिकांत दास करेंगे। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि आरबीआई दरों पर यथास्थिति बनाए रखेगा। इसका कारण यह है कि मुद्रास्फीति इस समय पांच प्रतिशत से कम चल रही है, लेकिन आने वाले महीनों में महंगाई बढ़ने के साथ इसमें कुछ बढ़ोतरी का जोखिम होगा। एक अर्थशास्त्री ने कहा कि चूंकि 2,000 रुपए के नोट को वापस लेने की घोषणा के बाद नकदी की स्थिति अनुकूल हो गई है, इसलिए हम उम्मीद करते हैं कि आरबीआई मौजूदा रुख पर कायम रहेगा। उन्होंने कहा कि सभी की निगाहें इस बात पर होंगी कि घरेलू मुद्रास्फीति का रुख कैसा रहता है।

छत्तीसगढ़ और प.बंगाल में सस्ता हुआ पेट्रोल और डीजल

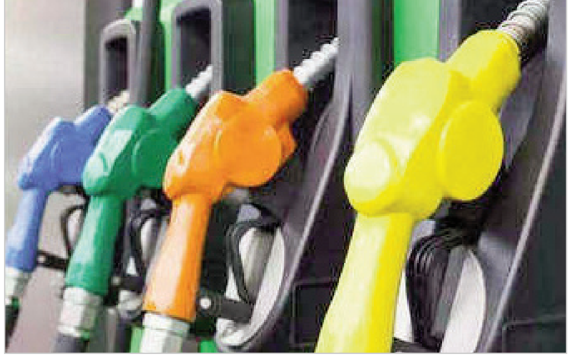

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को हल्की गिरावट नजर आ रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.15 डॉलर घटकर 80.43 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.09 गिरकर 84.90 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा रेट जारी कर दिए हैं। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल 65 पैसे बढ़कर 103.63 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है।

वहीं डीजल की कीमत में 63 पैसे का उछाल दिख रहा है। पश्चिम बंगाल में पेट्रोल 69 और डीजल 65 पैसे मंहगा हो गया है। दूसरी ओर गुजरात में पेट्रोल 20 पैसे और डीजल 21 पैसे सस्ता हो गया है। हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल 24 पैसे और डीजल 21 पैसे सस्ता हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.73 रुपए और डीजल 94.33 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.76 रुपए और डीजल 89.93 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.44 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.59 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

जेएसएल की इस्पात के बढ़ते आयात पर लगाम लगाने सरकार से हस्तक्षेप की मांग

नई दिल्ली ।

स्टेनलेस स्टील विनिर्माता जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) ने चीन समेत चुनिंदा देशों से इस्पात उत्पादों के बढ़ते आयात पर लगाम लगाने के लिए सरकार से हस्तक्षेप की अपील की है। जेएसएल के प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल ने कहा कि चीन और कुछ अन्य देश घरेलू बाजार में जमकर अपने उत्पाद भेज रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सरकार से इनके आयात पर लगाम लगाने के लिए कुछ कदम उठाने का आग्रह करते हैं।

सरकार वस्तुओं के आयात पर डंपिंगरोधी शुल्क (एडीडी) और प्रतिपूर्ति शुल्क (सीवीडी) लगा सकती है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जून, 2023 में भारत में कुल इस्पात आयात में चीन, जापान, वियतनाम, सऊदी अरब, रूस, नेपाल और अमेरिका का हिस्सा पिछले साल के इसी माह की तुलना में बढ़ा है। भारत में इस्पात का आयात जून में सालाना आधार पर 7.6 प्रतिशत बढ़कर 4.84 लाख टन हो गया। जून, 2022 में चीन से आयात 26.1 प्रतिशत और वियतनाम से एक प्रतिशत था। हालांकि जून, 2023 में इस्पात आयात में चीन का हिस्सा बढ़कर 37.1 प्रतिशत हो गया, जबकि वियतनाम का हिस्सा भी बढ़ोतरी के साथ 4.8 प्रतिशत हो गया है।

स्टेनलेस स्टील क्षेत्र के लिए अगले नीतिगत ढांचे पर जिंदल ने कहा कि यह उद्योग की काफी लंबे समय से मांग रही है।

उन्होंने कहा कि इस्पात क्षेत्र के लिए बनाए गए नियम और नीतियां हमारी स्थिति के बावजूद हमें प्रभावित करती हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय स्टेनलेस स्टील उद्योग अपनी क्षमता से कम पर परिचालन कर रहा है। समान अवसर के लिए इस क्षेत्र को सरकार के समर्थन की जरूरत है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

त्रिनिदाद (एजेंसी)। भारत और वेस्टइंडीज की टीमें मंगलवार को यहां के ब्रायन लारा क्रिकेट स्टेडियम में तीसरे और अंतिम एकदिवससीय क्रिकेट मैच के लिए उतरेंगी। दोनो ही टीम को लक्ष्य इस मैच को जीतकर सीरीज अपने नाम करना रहेगा। भारतीय टीम ने पहला जबकि वेस्टइंडीज ने दूसरा मैच जीता था। इससे अभी सीरीज 1-1 से बराबरी पर है।

दूसरे एकदिवसीय में भारत ने कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी विराट कोहली को आराम देते हुए युवा खिलाड़ियों का उतरा था पर उसका वह प्रयोग सफल नहीं है। मेजबान टीम के तेज गेंदबाजों रोमारियो शेफर्ड और गुडाकेश मोती ने हार्दिक हार्दिक पंड्या की कप्तान में उतरी टीम को बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया और मुकाबला जीता लिया। भारतीय टीम दूसरे एकदिवसीय में गेंदबाजी में भी कमजोर रही। केवल शार्दुल ठाकुर ही तीन विकेट लेकर प्रभावी गेंदबाजी कर पाये। कप्तान शाई होप ने ओर युवा कीसी कार्टी ने बेहतर बल्लेबाजी कर अपनी टीम को इस मैच में जीत दिलायी थी।

इस मैच में भारतीय टीम को दूसरे एकदिवीसीय से सबक लेते हुए प्रभावी प्रदर्शन करना होगा

कैरेबियन में पिचें बल्लेबाजों के लिए अनुकूल नहीं हैं और ब्रायन लारा स्टेडियम में पिछले तीन मैचों में से एक भी मैच 200 रन का आंकड़ा पार करने में सफल नहीं रही। धीमी और नीची होने की आशंका के कारण पिच स्पिनरों को काफी सहायता प्रदान करेगी जो टर्निंग हालातों का फायदा उठा सकते हैं और उछाल की कमी से लाभ उठा सकते हैं। इस पिच पर तेज गेंदबाज असरकारी हो सकते हैं।

अगले महीने होने वाले एशिया कप और फिर विश्व कप को देखते हुए इस सीरीज में भारतीय टीम युवाओं को अवसर दे रही है।

अब तक संघर्ष करते दिख रहे सूर्यकुमार यादव का लक्ष्य इसमें बड़ा स्कोर बनाना रहेगा। वहीं कई बार वापसी करने के बावजूद प्रभावित नहीं कर सके सैमसन के पास भी रन बनाने का अंतिम अवसर है। नंबर पर उतर सकते हैं.

युवा सलामी बल्लेबाज ईशान किशन ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है पर सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को लय में आना होगा। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या भी अब तक उम्मीद के अनुसार नहीं खेल पाये हैं। इसके अलावा गेंदबाजी में युवा तेज गेंदबाज उमरान मलिक को भी अभी तक विकेट नहीं मिला है।

चाइनामैन कुलदीप यादव ने अब तक प्रभावी प्रदर्शन किया है। वहीं मेजबान वेस्टइंडीज की टीम इस सीरीज को जीतकर ऑत्मविश्वास हासिल करना चाहेगी। वह पहले ही एकदिवसीय विश्वकप के लिए क्वालीफाई नहीं करने के कारण निराश है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, रूतुराज गायकवाड़, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या (उप कप्तान), शार्दुल ठाकुर, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, जयदेव उनादकट, मोहम्मद सिराज, उमरान मलिक, मुकेश कुमार।

वेस्टइंडीज: शाई होप (कप्तान), रोवमैन पॉवेल, एलिक अथानाजे, यानिक कारिया, कीसी कार्टी, डोमिनिक ड्रेक्स, शिमरोन हेटमायेर, अलजारी जोसेफ, ब्रेंडन किंग, काइल मायर्स, गुडाकेश मोती, जेडेन सील्स, रोमारियो शेफर्ड, केविन सिनक्लेयर, ओशाने थॉमस।

फीफा महिला विश्व कप: स्पेन को हराकर ग्रुप-सी के शीर्ष पर जापान

वेलिंगटन (एजेंसी)। जापान ने फीफा महिला विश्व कप 2023 के एकतरफा मुकाबले में सोमवार को स्पेन को 4-0 से हराकर ग्रुप-सी में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। वेलिंगटन रीजनल स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में हिनाटा मियाज़ावा (12वां, 40वां मिनट) ने विजेता टीम के दो गोल किए, जबकि रिको युकी (29वां मिनट) और मिना तनाका (82वां मिनट) ने एक-एक गोल जमाया। जापान को टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत दिलाने वाली मियाज़ावा ने 12वें मिनट में स्पेन की बैकलाइन में जगह बनाई और जुन एंडो के पास की मदद से गोल दागकर अपनी टीम का खाता खोला। यूकी ने स्पेन की सेंटर-बैक इरेने परेडेस को छकाकर 29वें मिनट में यह बढ़त दोगुनी कर दी। पहले हाफ में स्पेन ने 77 प्रतिशत समय तक गेंद पर कब्ज़ा रखा लेकिन यूरोपीय टीम एक बार भी गोल करने का मौका नहीं बना सकी। पहला हाफ खत्म होने से पहले मियाज़ावा ने यूकी से पास लेकर जापान का तीसरा गोल कर दिया। जापान ने 3-0 की बढ़त लेने के बाद मुकाबले में सहजता दिखाई और स्पेन को अपने अर्द्ध में पहुंचने के कम मौके दिये। तनाका ने 82वें मिनट में गोल दागकर जापान की विशाल जीत पर मुहर लगा दी। जापान ने पहले चरण में बिना कोई गोल दिये अपने सभी मुकाबले जीते हैं। सुपर-16 में जापान का सामना नॉर्वे से, जबकि स्पेन का मुकाबला स्विट्ज़रलैंड से होगा। दिन के दूसरे ग्रुप-सी मुकाबले में ज़ाम्बिया ने कॉस्टा रिका को 2-1 से हराकर टूर्नामेंट का विजयी अंत किया। जाम्बिया की पहली विश्व कप जीत में लुशोमो म्विंबा (तीसरा मिनट), बारबरा बांडा (31वां मिनट) और रेचल कुंदानंजी (90+3वां मिनट) ने गोल किए। डैफनी मोंगे (47वां मिनट) के गोल के बावजूद कॉस्टा रिका इस टूर्नामेंट में जीत का स्वाद नहीं चख सकी।

ब्रॉड के संन्यास लेने से दुखी हैं एंडरसन

द ओवल (एजेंसी)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन अपने साथी तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के संन्यास लेने से दुखी हैं। एंडरसन और ब्रॉड की जोड़ी विश्व क्रिकेट में काफी अच्छी मानी जाती है। इसके साथ ही इन दोनो में गहरी दोस्ती भी है। ये जोड़ी टेस्ट क्रिकेट इतिहास की सबसे सफल जोड़ी मानी जाती है। इस जोड़ी ने कुल मिलकर 1037 विकेट लिए हैं। अपने जूनियर साथी के संन्यास की घोषणा से एंडरसन भावुक होकर रोने लगे। इतने लंबे समय तक एक साथ खेलने के बाद ब्रॉड का संन्यास जेम्स एंडरसन के लिए एक भावुक क्षण है। जब मैच के चौथे दिन एंडरसन से ब्रॉड के संन्यास के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, हां, निश्चित रूप से मुझे उनकी कमी खलेगी। वह मेरे सबसे अच्छे साथी रहे हैं और वह हर समय मेरे लिए मौजूद रहे। यह कहते हुए एंडरसन भावुक हो गये।

गौरतलब है कि ब्रॉड ने इंग्लैंड के लिए 167 टेस्ट मैच, 121 एकदिवसीय और 56 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने कुल 845 से अधिक विकेट लिए हैं। ब्रॉड ने 2007 में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। ब्रॉड ने कहा कि यह उनके लिए अहम था कि उनका अंतिम मैच एशेज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हो, जिसे वह टेस्ट क्रिकेट का शिखर मानते हैं। ब्रॉड ने इसके बाद कहा, एशेज क्रिकेट ने मेरे अंदर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन निकाला है। मुझे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले में होने वाली प्रतिस्पर्धा से लाभ हुआ। इस दौरान दर्शकों के हौसला बढ़ाने का भी फायदा मिला।

अब एकदिवसीय क्रिकेट विश्वकप में 14 अक्टूबर को खेला जाएगा भारत-पाक मुकाबला

बार्सिलोना (एजेंसी)। मुंबई (ईएमएस)। भारत और पाकिस्तान के बीच एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट में होने वाला अहम मुकाबला अब 15 अक्टूबर की जगह एक दिन पहले 14 अक्टूबर को रखा गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और आईसीसी ने मैच की तारीफ में ये बदलाव सुरक्षा एजेंसियों की सलाह के बाद किया है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले इस मैच की तारीख में बदलाव इसलिए करना पड़ा है क्योंकि 15 से ही नवरात्रि शुरु होने वाली है। गुजरात में इस दौरान गरबा का आयोजन होतो है, ऐसे में सुरक्षा एजेंसियों ने कहा था कि मैच के

लिए सुरक्षा के इंतजाम करने में परेशानी आयेगी हालांकि अब तक मैच की तारीखों में बदलाव की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं इस रिपोर्ट के अनुसार कार्यक्रम में कुछ और भी बड़े बदलाव हुए हैं। सारे बदलावों की घोषणा अभी होनी है। वहीं पुराने कार्यक्रम के अनुसार 14 अक्टूबर को इंग्लैंड और अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के बीच डबल हेडर मुकाबला खेला जाना था।

सुरक्षा ऐजेंसियों का कहना था कि 15 अक्टूबर से नवरात्रि की शुरुआत हो रही है। इसके कारण देश-विदेश से लोग पहुंचते हैं। वहीं भारत-पाक के मैच में भी कुछ ऐसा ही माहौल रहेगा। ऐसे में एक साथ लाखों लोगों की सुरक्षा को लेकर समस्या पैदा हो सकती थी। जिसके बाद से ही बीसीसीआई नई तारीखों पर सोच-विचार कर रहा था।

भारतीय टीम का नया कार्यक्रम :

तारीख	मैच	स्थल
8 अक्टूबर	भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया	चेन्नई
11 अक्टूबर	भारत बनाम अफगानिस्तान	दिल्ली
14 अक्टूबर	भारत बनाम पाकिस्तान	अहमदाबाद
19 अक्टूबर	भारत बनाम बांग्लादेश	पुणे
22 अक्टूबर	भारत बनाम इंग्लैंड	लखनऊ
2 नवंबर	भारत बनाम नीदरलैंड्स	मुंबई
5 नवंबर	भारत बनाम साउथ अफ्रीका	कोलकाता
11 नवंबर	भारत बनाम श्रीलंका	बेंगलुरु

आईपीएल में लगाये पांच छक्कों से बदला जीवन : रिंकू

मुम्बई । आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह ने कहा है कि आईपीएल में खेली पारी ने एक ही रात में उनकी किस्मत दी है। रिंकू ने आईपीएल के 16 वें सत्र में केकेआर की ओर से खेलते हुए गुजरात टाइटंस के खिलाफ अंतिम ओवर में पांच छक्के लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। उस मैच में रिंकू ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अंतिम ओवर में गुजरात टाइटंस के गेंदबाज यश दयाल की गेंद पर लगातार पांच छक्के लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। रिंकू ने कहा कि इस उल्लेखनीय उपलब्धि को हासिल करने के बाद उनकी जिंदगी ही बदल गयी है और अब वह एशियाई खेलों में टीम इंडिया की ओर से खेलने को लेकर उत्साहित हैं जो 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक होंगे। वहीं एक वीडियो में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोशल मीडिया पर रिंकू के हवाले से दयाल के खिलाफ लगाये पांच छक्कों और टीम इंडिया के एशियाई खेलों की क्रिकेट टीम में शामिल होने के बारे में बात की है। जिसमें उन्होंने कहा, उन पांच छक्कों ने मेरी जिंदगी बदल दी है। वहीं एक वीडियो में रिंकू ने कहा, पहले लोग मुझे जानते थे पर उतना नहीं। उन पांच छक्कों के बाद उन्होंने मुझे और अधिक जाना शुरू कर दिया है। यह वास्तव में अच्छा लगता है। अब अकेले बाहर जाना कठिन है, इसलिए मैं कम ही बाहर जाता हूं। वहीं रिंकू ने कहा कि वह एशियाई खेलों की टीम में अपना देखकर हैरान रह गये। उन्होंने कहा, जब मैंने अपना नाम देखा, तो मैं भावुक हो गया। मैं इसके लिए कड़ी मेहनत कर रहा था।

अगर भारत को सीरीज जीतनी है तो इन दो खिलाड़ियों को वापस आना चाहिए : आकाश चोपड़ा

मुंबई । भारत मंगलवार को त्रिनिदाद में तीसरे और अंतिम वनडे में वेस्टइंडीज से भिड़ेगा। जहां मेहमान टीम ने शुरुआती गेम जीता, वहीं मेजबान टीम ने अगले मैच में छह विकेट से जीत के साथ सीरीज में बराबरी हासिल कर ली। भारत ने पिछले मैच में कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को आराम दिया था और पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि अगर प्रबंधन को लगता है कि यही आगे बढ़ने का रास्ता है तो उन्हें प्रयोग जारी रखना चाहिए। आकाश चोपड़ा ने कहा, 'यदि आपको प्रयोगों के लिए श्रृंखला देखनी थी, तो रुकें क्यों? यदि आप इस दर्शन के साथ चल रहे हैं कि 'मैं बहुत सारे क्रिकेटरों को आजमाने जा रहा हूं, मैं उन खिलाड़ियों को मौका देने जा रहा हूं जिन्हें पर्याप्त खेल का समय नहीं मिला है।' क्यों बदलें ? आपने इसे पहले गेम में किया है, आपने इसे दूसरे गेम में किया है। 'उन खिलाड़ियों को अधिक मौके दें जिन्हें अतीत में पर्याप्त अवसर नहीं मिले हैं।' इसके बाद चोपड़ा ने विरोधी दृष्टिकोण पेश करते हुए कहा कि अगर टीम तीसरे वनडे और श्रृंखला जीतने की अपनी संभावनाओं को अधिकतम करना चाहती है, तो उन्हें अनुभवी रोहित शर्मा और विराट कोहली को लाइन-अप में लाना होगा। उन्होंने कहा, 'इसका मतलब यह भी होगा कि संजू सैमसन या सूर्यकुमार यादव जैसे किसी को मौका देना बंद हो जाएगा, दोनों में से किसी एक को बाहर बैठना होगा। अक्षर पटेल को दूसरा मौका नहीं मिलेगा।' गेंदबाजी के मोर्चे पर, चोपड़ा नहीं चाहते कि भारत को दूसरे वनडे की तरह 7 गेंदबाजों का इस्तेमाल करना पड़े। उन्होंने कहा, 'भारत के पास गेंदबाजी के बहुत सारे विकल्प हैं। जहां तक तेज गेंदबाजों की बात है तो उनके पास चार हैं। उन्होंने पिछले गेम में लगभग तीन मैच खेले थे। आपको गेंदबाजों के लिए अनुकूल सतह पर एकदिवसीय मैच खेलने के लिए सात विकल्पों की ज़रूरत नहीं है। ऐसी पिच पर जहां रन बनाना मुश्किल है और गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, आपको बदलने की जरूरत नहीं है।'

विश्वकप के पहले टीम की असफलता से बढ़ी द्रविड और रोहित की परेशानी

ब्रिजस्टोन (एजेंसी)। विश्वकप से ठीक पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में टीम इंडिया की हार के बाद कप्तार रोहित शर्मा और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। जिस प्रकार वेस्टइंडीज जैसे कमजोर टीम के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजी और गेंदबाजी असफल रही। उससे विश्वकप को लेकर टीम की तैयारियों की पोल खुल गयी है। टीम ने जहां पहले एकदिवसीय में 115 रनों का लक्ष्य हासिल करने में पांच विकेट गंवा दिये थे। वहीं दूसरे मैच में भी बल्लेबाज नाकाम रहे और 200 रन भी नहीं बना पाये। ईशान किशन के अलावा सभी बल्लेबाज विफल रहे। सूर्यकुमार फिर बड़ी पारी नहीं खेल पाये। संजू सैमसन और अक्षर पटेल ने भी निराश किया। वेस्टइंडीज टीम कितनी कमजोर है उसका अंदाज इसी से लगता है कि वह इस बार विश्वकप के लिए क्वालीफाई भी नहीं कर पायी है। विश्व कप से पहले टीम को अब 10 ही खेलने हैं। ऐसे में टीम के खराब प्रदर्शन ने

कप्तान और कोच की चिंता बढ़ना लाजिमी है। टीम के लिए चिन्ता की बात ये है कि सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल अब तक रन नहीं बना पाये हैं। शुभमन ने पहले मैच में 7 तो दूसरे मैच में 34 रन बनाए. वे टेस्ट सीरीज में भी 50 रन की पारी नहीं खेल सके थे।

वहीं पहले मैच में नंबर-3 पर विराट कोहली की जगह बल्लेबाजी के लिए आये सूर्यकुमार यादव ने भी निराश किया जबकि दूसरे मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को अवसर दिया गया पर वह भी रन नहीं बना पाये। सूर्यकुमार ने 19 जबकि सैमसन ने 9 रन बनाए। इस प्रकार टीम का ये प्रयोग सफल नहीं रहा। सूर्या भी दोनों मैच में नाकाम रहे। ऐसे में वर्ल्ड कप में नंबर-3 की जिम्मेदारी पूर्व कप्तान विराट कोहली को ही निभानी होगी।

टीम के मिडिल ऑर्डर और खासकर नंबर-4 पर पहले मैच में हार्दिक पंड्या और दूसरे में अक्षर पटेल भी रन नहीं बना पाये। बतौर ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या दोनों ही मैच में अपना प्रभाव नहीं दिखा पाये। . पंड्या गेंदबाजी में भी अब तक अधिकतम छह ओवर ही फेंक पाये हैं। ऐसे में वह विश्वकप में शायद ही 10 ओवर का कोटा पूरा कर सकें। इसके अलावा युवा तेज गेंदबाज उमरान मलिक भी नाकाम साबित हुए हैं। ऐसे में टीम को अनुभवी खिलाड़ियों की वापसी का इंतजार है

2024 टी20 विश्व कप के लिए आयोजन स्थलों की जांच कर रही आईसीसी

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अगले साल 2024 में वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप 2024 के लिए अस्थायी रूप से चार से 30 जून की विंडो तय की है। इसके साथ ही आईसीसी की एक टीम ने अमेरिका के आयोजन स्थलों का निरीक्षण भी शुरु कर दिया है। इस बड़े आयोजन की मेजबानी के लिए अमेरिका की तैयारी के बारे को लेकर आशंकाएं थीं पर आईसीसी टीम ने इस सप्ताह मैचों की मेजबानी के लिए तय स्थानों का दौरा किया और इस की बातों को आधारहीन बताया। दल ने लॉडरहिल, फ्लोरिडा, न्यूयॉर्क, डलास और मॉरिसविले में स्टेडियमों का निरीक्षण किया। इसमें से लॉडरहिल ने पहले ही अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी की है। इसमें और 12 और 13 अगस्त को भारत और वेस्टइंडीज के बीच चौथा और पांचवां टी20 मैच भी खेला जाएगा। वहीं डलास (ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम) और मॉरिसविले (चर्च स्ट्रीट पार्क) के स्टेडियमों में इस समय मेजर लीग क्रिकेट मैच खेले जार रह हैं। इन दोनों मैदानों के अलावा न्यूयॉर्क के वान कॉर्टलैंड पार्क को अभी तक आईसीसी से अंतरराष्ट्रीय स्थल का दर्जा प्राप्त नहीं हुआ है, जो शीर्ष स्तर के क्रिकेट मैचों के आयोजन के लिए जरुरी है। न्यूयॉर्क के स्टेडियम की क्षमता 35000 दर्शकों की और विश्व कप में भारत और पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित मैच के मेजबान के रूप में तय किया गया है। इसकी बड़ी वजह इस शहर में बड़ी संख्या में प्रवासी रहते है। अभी तक हालांकि इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया है क्योंकि स्टेडियम अभी भी तैयार हो रहा है। आईसीसी को उम्मीद है कि इस पर जल्द से जल्द इस पर काम किया जा सकता है। आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने बताया कि आईसीसी को न्यूयॉर्क सिटी हॉल और मेयर का समर्थन प्राप्त है। इसलिए, हमें उम्मीद है कि काम समय पर पूरा हो जाएगा।

शतरंज विश्व कप में खेलने उतरेंगी प्रज्ञानन्दा – वैशाली भाई बहन की जोड़ी

चेन्नई । भारतीय शतरंज में सबसे सफल भाई बहन की जोड़ी प्रज्ञानन्दा और वैशाली कल से विश्व कप खेलते नजर आएंगे , दोनों नें शतरंज ओलंपियाड में टीम पदक के अलावा व्यक्तिगत कांस्य पदक भी जीता था और ऐसा करने वाले दुनिया की पहली भाई बहन की जोड़ी बन गए थे, प्रज्ञानन्दा के पसंदीदा खिलाड़ी मैगनस कार्लसन है तो वैशाली के विश्वनाथन आनंद ,हाल में ही प्रज्ञानन्दा नें शतरंज में 2700 का जादुई आंकड़ा पार किया है तो वैशाली नें तुर्की लीग में शानदार खेल दिखाते हुए ग्रांड मास्टर बनने की और कदम बढ़ाए है ,विश्व कप के लिए वैशाली नें चेन्नई से तो प्रज्ञानन्दा नें हंगरी से रवाना होने के पहले चेसबेस इंडिया और पंजाब केसरी से खास बातचीत की । प्रज्ञानन्दा नें 2700 रेटिंग पार करने पर कहा की 'बड़े टूर्नामेंट में आमंत्रण मिलने के हिसाब से यह बेहद महत्वपूर्ण है , पर मेरे लिए यह एक पड़ाव है , मैं बहुत दिनो से ऐसा होने की उम्मीद कर रहा था पर आखिरकार यह हो गया पर अभी बहुत आगे जाने है तो अपनी यात्रा पर ध्यान लगा रहा हूँ ' आज भी वह खेल को कितना समय देते है इस सवाल के जबाब में उन्होने कहा 'यह इसके बारे में नहीं है मैं कितना समय शतरंज को देता हूँ बस मैं अच्छी योजना के साथ तैयारी करता हूँ और ट्रेनिंग की गुणवत्ता अच्छी रखता हूँ। अपने टीम मेट के बारे में बात करते हुए प्रज्ञानन्दा कहते है की ' गुकेश का आत्मविश्वास बहुत ज्यादा है साथ ही वह उन स्थितियों में बहुत अच्छा है जहां कोई भी गलतियाँ कर सकता है ऐसी स्थितियाँ जो नियंत्रण में नहीं रहती है अर्जुन की ओपनिंग बहुत अच्छी है वो बहुत सारी ओपनिंग खेलता है और उसे उसकी अच्छी समझ है , और निहाल ब्लिट्ज में एक शैतान बन जाता है। अपनी ट्रेनिंग के बारे में वह आरबी रमेश और विश्वनाथन आनंद दोनों का धन्यवाद करते है ।

फाइनल में लौरा सीजमंड को हराकर शीर्ष वरीयता प्राप्त स्वियातेक ने जीता खिताब

वारसॉ। शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने पोलैंड ओपन के फाइनल में लौरा सीजमंड को 6 . 0, 6 . 1 से हराकर इस साल का अपना चौथा खिताब जीत लिया। फ्रेंच ओपन चैम्पियन स्वियातेक ने टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया। वह इस साल दोहा और स्टटगार्ट में भी खिताब जीत चुकी है। पोलैंड की इस खिलाड़ी ने कहा ,'' मैं अपनी टीम और परिवार को धन्यवाद देना चाहती हूं। यहां खेलना आसान नहीं था लेकिन मुझे खुशी है कि मैं जीत सकी।'' उन्होंने सेमीफाइनल में बेल्जियम की यानिना विकमायेर को 6 . 1, 7 . 6 से मात दी थी। खराब रोशनी के कारण शनिवार को बीच में रोके जाने के बाद यह मैच रविवार को ही पूरा हुआ।

सिंधू, श्रीकांत को ऑस्ट्रेलिया ओपन में वापसी की उम्मीद, फोकस प्रणय और सेन पर

सिडनी (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधू और किदाम्बी श्रीकांत मंगलवार से यहां शुरू हो रहे आस्ट्रेलियाई ओपन के जरिये अपने खराब फॉर्म को अलविदा कहना चाहेंगे। सुपर 500 टूर्नामेंट के तौर पर अपग्रेड किए गए इस टूर्नामेंट के जरिए सिंधू और श्रीकांत के पास अपना खोया फॉर्म फिर हासिल करने का यह आखिरी मौका है।

विश्व चैम्पियनशिप डेनमार्क के कोपेनहेगन में खेली जाएगी। 2019 विश्व चैम्पियन सिंधू चोट से उबरने के बाद फॉर्म में नहीं है और इस साल 12 बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर टूर्नामेंटों में से सात में जल्दी बाहर हो गई। इस साल सिंधू ने कोरियाई कोच पार्क ताए सांग से नाता तोड़ लिया और नये कोच मोहम्मद हफीज हाशिम के आने से पहले साइ की कोच विधि चौधरी के साथ काम कर रही थी। लगातार टूर्नामेंटों के बीच अब दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू के पास समय नहीं है।

यहां पहले दौर में हमवतन अष्मिता चालिहा के खिलाफ खेलने से पहले उन्हें कोच के साथ अपनी रणनीति पर काम करना होगा। दोनों का सामना अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर 2022 इंडिया ओपन में ही हुआ है जिसमें सिंधू विजयी रही थी। इसके अलावा 2019 सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में भी सिंधू ने चालिहा को हराया था। श्रीकांत भी इस सप्ताह जीत दर्ज नहीं कर सके। उन्होंने जापान ओपन में चीनी ताइपै के चोउ तियेन चेन को हराया लेकिन भारत के ही एच एस प्रणय से हार गए।

जापान के केंता निशिमोतो के खिलाफ उन्हें अपनी गलतियों पर काबू रखना होगा। भारत के लिए इस सत्र में प्रणय, लक्ष्य सेन और दुनिया की दूसरे नंबर की जोड़ी सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी लगातार अच्छा प्रदर्शन करते आए हैं। सात्विक और चिराग ने इस सत्र में चार खिताब जीते लेकिन 21 से 27 अगस्त तक होने वाली विश्व चैम्पियनशिप की तैयारी के लिए यहां नहीं खेल रहे हैं।

प्रणय और सेन ने भी इस सत्र में खिताब जीते हैं। प्रणय तीन क्वार्टर फाइनल में पहुंचे और मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 खिताब जीता। जापान में सेमीफाइनल में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसेन को वह हरा ही चुके थे लेकिन निर्णायक गेम में चूक हो गई। सेन ने इस सप्ताह दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी जोनाथन क्रिस्टी को कड़ी टक्कर दी। प्रणय का सामना यहां हांगकांग के ली चियुक यू से होगा जबकि कनाडा ओपन विजेता सेन चीन के लू गुआंग जू से खेलेंगे।

प्रियांशु राजावत पहले दौर में आस्ट्रेलिया के नाथन टैंग से खेलेंगे। मिथुन मंजूनाथ का सामना सिंगापुर के लो कीन यू से होगा। आकर्षि कश्यप की टक्कर मलेशिया की गो जिन वेइ से होगी जबकि तसनीम मीर इंडोनेशिया की कोमांग आयु सी देवी से और मालविका बंसोड़ चीनी ताइपै की पाइ यू पो से खेलेगी। राष्ट्रमंडल खेल कांस्य पदक विजेता गायत्री गोपीचंद और त्रिसा जॉली महिला युगल में और रोहन कपूर तथा एन सिक्की रेड्डी मिश्रित युगल में उतरेंगे।

चेन्नई लायंस को हराकर गोवा चैलेंजर्स ने खिताब जीता

पुणे। अल्वारो रोबेल्स, हरमीत देसाई और रीथ टेनिसन के शानदार प्रदर्शन की बदौलत गोवा चैलेंजर्स ने कड़े फाइनल में रविवार को यहां गत चैंपियन चेन्नई लायंस को 8-7 से हराकर अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) के चौथे सत्र का खिताब जीता। हरमीत ने बेनेडिक्ट डुडा के प्रतियोगिता में अजेय अभियान को 2-1 की जीत के साथ रोका। रोबेल्स ने भारत के स्टार अचंत शरत कमल को 3-0 से हराया। टेनिसन ने इसके बाद बेहद दबाव भे अंतिम मैच में जीत दर्ज करके अपनी टीम को खिताब दिलाया।

पति को कराएं

बच्चे की जिम्मेदारी का अहसास

एक मां ही यह बता सकती हैं कि पेरेंटिंग का अनुभव कितना आनंददायक होता है। अक्सर पुरूष इसे बहुत भारी जिम्मेदारी के तौर पर देखते हैं और शुरू से उन्हें यह लगता है कि बच्चे का पालन-पोषण मां की जिम्मेदारी होती है।

बच्चे को सही परवरिश देना मां और पिता दोनों का काम होता है, पर बच्चे की परवरिश का जिम्मा मां पर ही आता है। अगर आप चाहती हैं कि आपके पति को भी बच्चे की जिम्मेदारी का अहसास हो तो इन बातों का ध्यान रखें।

बताएं आप उनकी मदद लेना चाहती हैं

बच्चा होने के बाद कुछ पुरूष यह चाहते हैं कि वो बच्चे की देखभाल करें, पर महिलाएं अक्सर इस संकोच में कि बच्चे का काम पति सही ढंग से कर पाएंगे या नहीं, सोच उनको मना कर देती हैं। अगर आपके पति बच्चे के पालन-पोषण में आपकी मदद करना चाहते हैं तो उनका यह प्रस्ताव सहर्ष स्वीकार कर लें। उन्हें अपने तरीके से बच्चों की केयर करने दें, हर समय टोकें न, अगर वो कहीं गलत है, तो उन्हें प्यार से बताएं।

भूमिका आनंददायक है

एक मां ही यह बता सकती हैं कि पेरेंटिंग का अनुभव कितना आनंददायक होता है। अक्सर पुरूष इसे बहुत भारी जिम्मेदारी के तौर पर देखते हैं और शुरू से उन्हें यह लगता है कि बच्चे का पालन-पोषण मां की जिम्मेदारी होती है। आप उन्हें बताएं कि एक बच्चे की देखभाल करने में जिम्मेदारी तो है, पर इसमें आनंद भी खूब है। बच्चा जब छोटी-छोटी हरकतें करता है तो उन्हें देखने में कितना मजा आता है। इस तरह की बातें जब आप उनसे शेयर करेंगी तो वो खुद ब खुद इसमें रूचि दिखाने लगेंगे।

ग्रुप बनाएं पिता भी

पुरूष अक्सर बच्चों के बारे में बात करने से बचते हैं। महिलाएं तो कई बार ग्रुप में जाकर बच्चों की परेशानियां, आदतें आदि के बारे में चर्चा कर लेती हैं, पर पिता को ऐसा नहीं करते। आप पति को प्रोत्साहित करें कि वो फेसबुक, ब्लॉग, फ्रेंड सर्कल में पिताओं के ग्रुप में शामिल हों। इससे वो सारी समस्याओं का समाधान पा सकते हैं, साथ ही अन्य पुरूषों से अपने अनुभव साझा कर सकते हैं और उनके अनुभव से सीख सकते हैं।

प्राथमिकता निर्धारित कर उनसे सहयोग मांगें

मां होने के नाते आप प्राथमिकता तय कर लें कि किन-किन बातों में आपको अपने पति की जरूरत पड़ सकती है। यह निर्धारित करने के बाद आप उन्हें बताएं कि आपको उनके सहयोग की कितनी जरूरत है। ऐसा करने से आप एक अच्छा वक्त एक-दूसरे के साथ बिता सकते हैं।

यादों को रखें सहेज कर

आप अपने पति से पूछें कि फादरहुड के दौरान वो कौन-सी पांच बातें थीं, जिनसे उन्हें बेहद खुशी मिली। आप उन सारी बातों को एक छोटी-सी नोटबुक में नोट करें। अगर उससे जुड़ी फोटो आपको पास है तो उसे भी चिपकाएं, ऐसा करने से आप इन छोटी-छोटी और प्यारी बातों को ताउम्र सहेज कर रख सकेंगी।

चमकाएं बाल और त्वचा

अगर आप चमकदार त्वचा और हैल्दी हेयर चाहते हैं तो अपनी फूड लिस्ट मे इन चीजों को शामिल कर सकते हैं। ये चीजें आपको खूबसूरती के साथ-साथ बढ़िया सेहत से भी नवाजेंगी।

विटामिन ए से भरपूर चीजें

क्या लें: गाजर, पालक, ब्रोकली, पपीता, आम, आलू व टमाटर
फायदा: इन चीजों में कैरोटीन होता है, जो सनस्क्रीन का काम करता है और त्वचा को धूप से बचाता है। टमाटर में लाइकोपीन भी सनस्क्रीन का काम करता है, लेकिन जरूरी है कि टमाटर अच्छे से पका हो।

सूखे मेवे

फायदा: इनमें ओमेगा थ्री फैटी एसिड होता है जो त्वचा में नमी बनाए रखता है। अखरोट में बायोटीन होता है जो बालों को बढ़ाता है, झड़ने और दो मुंहे होने से रोकता है।

विटामिन सी वाली चीजें

फायदा: नींबू, आंवले, संतरे का खट्टापन शरीर में जाकर कोलेजन बनाता है, जो त्वचा की कोशिकाओं को जवां रखता है, इससे झुर्रियां नहीं पड़तीं और त्वचा के घाव भी जल्दी भरते हैं। विटामिन-सी वाली चीजें आसानी से पच जाती हैं और अधिक मात्रा होने पर यूरिन के रास्ते निकल जाती हैं।

अलसी के बीज

फायदा: खाने को कुरकुरा बनाते हैं। इनमें मौजूद फाइबर, ओमेगा थ्री फैटी एसिड व विटाामिन ई से त्वचा की नमी बनी रहती है, मुंहासे नहीं होते। रोजाना एक चम्मच प्रयोग करें।

विटामिन बी और कॉपर

पुरूषों के बालों में सफेदी की शुरूआत दाढ़ी से होती है, जबकि महिलाओं में कनपटी की तरफ से। इसके प्रमुख कारण हैं: चिंता करना, विटामिन बी, आयरन, कॉपर और आयोडीन की कमी। इसके लिए धूम्रपान न करें, मटर, ब्रोकली, ब्राउन राइस, गांठ गोभी खाएं व ग्रीन टी पीएं।

तौर-तरीके बदलकर

खुश रहना सीखें

मन खुश हो, तो तन दुरूस्त रहता है। इसलिए खुश रहने के लिए इन सुझावों को आजमा कर देखें -

खुद को एक्सप्रेस करें: अमरीका की वेक फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के अनुसार खुद को खुलकर अभिव्यक्त करने से मन में खुशी के भाव आते हैं।

दूसरों के लिए कुछ करें : फोर्ब्स डॉट कॉम के शोध के मुताबिक दूसरों के लिए कुछ करने से खुशी मिलती है। जब हम किसी की मदद करते हैं, अपनों को उपहार देते हैं या उन पर खर्च करते हैं, तो मन को सुकून मिलता है।

सकारात्मक सोचें: अपनी सोच सकारात्मक रखें और ऐसे लोगों के साथ रहें, जिनसे आपको प्रेरणा मिल सके।

दोस्तों व रिश्तेदारों से अच्छा व्यवहार रखें। यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनॉयस के वैज्ञानिकों ने 30 साल तक एक लाख लोगों पर शोध के बाद पाया कि शिक्षा, राजनीति,सैलरी और संबंधों में से सबसे ज्यादा खुशी लोगों को अच्छे संबंधों से होती है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं क्योंकि डिहाइड्रेशन होने से कई बार मूड चिड़चिड़ा हो जाता है।

खुद से करें प्यार का वादा

खूबसूरती बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होती है, इसलिए अब से आप अपने को हमेशा खूबसूरत मानेंगी। आपके अंदर जो भी खासियत है, उसे और भी निखारेंगी और जो चीजें आपको शर्मिंदा महसूस करवाती है, उन्हें कम करने की कोशिश करेंगी।

नया साल हमें जिंदगी को एक बार फिर नए तरीके से जीने के लिए कहता है। नए साल पर आप अपने से यह वादा करें कि हमेशा अपने आप से प्यार करेंगी।

अब से आपने चाहे कोई हेयरस्टाइल करवाई हो या फिर कोई नई ड्रेस पहनी हो तो उसमें खुद को अच्छा महसूस करेंगी। अपने अंदर यह आत्मविश्वास लाएंगी कि आप जो भी पहन रही हैं, उसमें पूरी तरह परफेक्ट लग रही हैं।

खूबसूरती बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होती है, इसलिए अब से आप अपने को हमेशा खूबसूरत मानेंगी। आपके अंदर जो भी खासियत है, उसे और भी निखारेंगी और जो चीजें आपको शर्मिंदा महसूस करवाती है, उन्हें कम करने की कोशिश करेंगी।

कुछ महिलाएं अपनी त्वचा के रंग को लेकर हमेशा असंतुष्ट रहती हैं, पर आप बिल्कुल भी ऐसा न करेंगी। आप अपनी त्वचा के रंग पर परेशान होने के बजाय यह कोशिश करेंगी कि आपकी त्वचा हमेशा ग्लो करती रहे।

अगर आपके साथ कुछ बुरा होता है या फिर आपके लुक को लेकर आपका कोई करीबी नकारात्मक कमेंट करता है तो उससे अपना मूड खराब करने की बजाय आप उस पर ज्यादा ध्यान नहीं देंगी, बल्कि अब से आप अपने दिमाग में इस बात को रखेंगी कि दूसरों को भले आप पसंद न आएं, पर आप अपने को पसंद करती हैं और करती रहेंगी।

अपने शरीर को पसंद और नापसंद करना आपके हाथों में हैं। वर्तमान में आपकी बॉडी किसी भी शेप में हो, अब से आप उस पर फख्र करेंगी। यह अलग बात है कि अगर आपका वजन कुछ ज्यादा है तो उसे कम करने की कोशिश करेंगी, पर अपने शरीर को लेकर सकारात्मक सोच को खत्म बिल्कुल नहीं करेंगी और उसे अच्छा ही मानेंगी।

आप हमेशा यह मानेंगी कि आप दिल, दिमाग और शरीर तीनों से बेहद खूबसूरत हैं। भले ही आपके बारे में कोई कुछ भी कहे, आप उसकी बात का बुरा नहीं मानेंगी। अगर आप ऐसा सोचेंगी तो सच मानिए, आप गॉर्जियस दिखेंगी।

एक प्यारी मुस्कुराहट लोगों का ध्यान हमेशा आकर्षित करती है और चेहरे पर भी नूर लाती है। इसलिए अब से चेहरे पर हमेशा तनाव लाने की बजाय मुस्कुराहट बनाए रखेंगी। एक प्यारी मुस्कुराहट आपके चेहरे पर चार चांद लगा देगी।

अगर आपके बाल हेल्दी या फिर त्वचा का टोन अच्छा है तो उस पर नाज करेंगी। अपनी कमी को देकर दुखी नहीं होंगी। बाल सफेद हो रहे हैं, उनमें रूसी है तो उन्हें देख-देखकर चिढ़ेंगी नहीं, इन्हें दूर करने के उपाय खुशी-खुशी करेंगी।

आप संवरिए

लेकिन जरा संभलकर

खास मौकों पर सज-संवरकर चेहरे की सुंदरता बढ़ाना वैसे तो कोई बुरी बात नहीं, लेकिन कई बार रोजाना भारी-भरकम मेकअप करने की आदत और पुराने या कम गुणवत्ता वाले ब्यूटी उत्पाद कुछ देर की सुंदरता और लंबे समय की बीमारी लेकर आते हैं।

ब्लीच

लोग स्किन की टेनिंग कम करने के लिए या चेहरे के बालों को छिपाने के लिए ब्लीच करते हैं, लेकिन इससे कई बार स्किन एलर्जी हो जाती है।

उपाय: ब्लीच को 24 घंटे पहले कान के पीछे लगाकर टेस्ट कर लें, अगर कोई एलर्जी न हो तभी ब्लीच करें। टेनिंग दूर करने के लिए ब्लीच कर रहे हैं तो संतरे, पपीते का पल्प या चंदन पाउडर लगा सकते हैं।

डियो और परफ्यूम

डियोड्रेंट का ज्यादा प्रयोग अंडरआर्म्स की त्वचा को नुकसान पहुंचाता है। खुजली की समस्या हो, परफ्यूम से छींके आती हों या सांस के रोगी हों तो इनका प्रयोग न करें।

उपाय: डियो या परफ्यूम में कैमिकल्स होते हैं, इन्हें सीधे बॉडी पर न लगाकर कपड़ों पर लगाएं।

आई मेकअप के नुकसान

अगर आप आई मेकअप करने के बाद आंखों में कॉन्टेक्ट लैंस लगाते हैं तो ऐसे में बैक्टीरिया कोर्निया तक पहुंच जाता है जिससे कोर्नियल इंफेक्शन का खतरा रहता है। कई बार मेकअप करने से बैक्टीरिया का मैंब्रेन (झिल्ली) से संपर्क होता है।

नेलपॉलिश

नेलपॉलिश लगाने के बाद हमें नाखूनों की मैल नहीं दिखती जिससे पेट में इंफेक्शन हो सकता है।

उपाय: नाखूनों की सफाई का ध्यान रखें और खाना बनाने या खाने से पहले नेलपॉलिश को सुखा लें।

फाउंडेशन और ब्लशर

इनके रोजाना प्रयोग से चेहरे के रोमछिद्र बंद हो जाते हैं। त्वचा के अंदर जमी गंदगी और तेल बाहर नहीं आ पाते, जिससे छिद्रों में मवाद जमने से कील-मुहांसे होने लगते हैं।

उपाय: ब्यूटी प्रोडक्ट की क्वालिटी का ख्याल रखें। त्वचा ऑयली है तो वॉटर बेस प्रोडक्ट और रूखी है तो ऑयल बेस स्किन प्रोडक्ट का प्रयोग करें।

अमेरिकी सेना में घुसा चीन का जासूस, तलाश करने में लगी बाइडेन की आर्मी

न्यूयॉर्क ।चीन और अमेरिका के बीच की तनातनी जग जाहिर है। अमेरिका की तरफ से चीन द्वारा जासूसी बैलून भेजे जाने की बात भी कही गई थी। लेकिन अब कहा जा रहा है कि चीन की जासूसी का खतरा अमेरिकी सेना के अंदर तक पहुंच गया है। अमेरिकी सेना अपने रक्षा प्रणालियों की जांच कर रही है। वो इसमें छिपे चीनी मैलवेयर की खोज में लगे हैं। ये मैलवेयर पावर ग्रिड और कम्युनिकेशन सिस्टम में हो सकते हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी अधिकारी वर्तमान में देश की रक्षा प्रणालियों के भीतर छिपे चीनी मैलवेयर की खोज कर रहे हैं, जो संभावित रूप से सैन्य संचार और पुनः आपूर्ति संचालन को बाधित कर सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि शीर्ष चिंता यह बनी हुई है कि इस दुर्भावनापूर्ण कोड को बीजिंग द्वारा वाशिंगटन के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे, जैसे पावर ग्रिड, संचार प्रणाली और जल आपूर्ति को नियंत्रित करने वाले नेटवर्क में छुपाया गया है जो सैन्य ठिकानों के लिए महत्वपूर्ण हैं। ऐसी चिंताएँ हैं कि संघर्ष की स्थिति में, हैकर्स अमेरिकी सैन्य अभियानों में हस्तक्षेप करने के लिए इस मैलवेयर का फायदा उठा सकते हैं। दोनों देशों के बीच चल रहे तनाव, विशेष रूप से ताइवान और भारत-प्रशांत में अपनी समुद्री सीमाओं का विस्तार करने की चीन की आक्रामक कार्रवाइयों ने इन साइबर सुरक्षा खतरों पर और अधिक चिंता बढ़ा दी है।

ग्लेशियर पिघलने का नतीजा, 37 साल पहले गायब हुए पर्वतारोही का मिला शव

बर्न। ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्लेशियर पिछलने के नतीजे सामने आ रहे हैं। ताजा जानकारी के अनुसार एक पर्वतारोही का 37 साल पुराना शव यहां मिला है। जिसे ग्लोबल वार्मिंग से भी जोड़कर देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार हाल में स्विट्जरलैंड में एक हैरान करने वाली खोज हुई है। यहां 37 साल पहले गायब हुए एक जर्मन पर्वतारोही का शव स्विस आल्प्स की पहाड़ियों के एक पिघलते हुए ग्लेशियर में संरक्षित मिला। 12 जुलाई को स्विट्जरलैंड के जर्मट के दक्षिण में थियोडुल ग्लेशियर पर पर्वतारोहियों ने पिघली हुई बर्फ में मानव अवशेष को देखा। उन्होंने बर्फ के बाहर एक जूता देखा, जिस पर पर्वतारोही कीलें लगाते हैं। बाद में पर्वतारोहियों ने इसे बाहर निकाला जिसे स्विट्जरलैंड के नजदीकी शहर सायन के वैलेस अस्पताल में फोरेंसिक मेडिसिन यूनिट में भेज दिया गया। डीएनए विश्लेषण के बाद वैलेस पुलिस के अधिकारियों ने पुष्टि की कि मिला हुआ शव एक 38 साल के पर्वतारोही का है, जो 1986 में पहाड़ पर लापता हो गया था। शोधकर्ताओं को यह घटना जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहे बदलावों पर चिंताजनक प्रवृत्ति को दिखाती है। ग्लेशियर लगातार चिंताजनक स्पीड के साथ पिघल रहे हैं। इसके कारण इनके अंदर छिपी चीजों को खोजना आसान होता जा रहा है। पुलिस का कहना है कि ग्लेशियरों के पिघलने के कारण उन पर्वतारोहियों के शव मिल रहे हैं, जिनके लापता होने की खबर दशकों पहले दर्ज कराई गई हो। गौरतलब है ?कि स्विट्जरलैंड के ग्लेशियर देश की प्यास बुझाने में विशेष महत्व रखते हैं। सर्दियों के दौरान यह भारी मात्रा में बर्फ जमा करते हैं। गर्मी में यह जमी हुई बर्फ पिघल जाती है, जिससे यहां के लोगों को ताजा साफ पानी पीने को मिलता है।

श्रीलंका के पूर्वी बंदरगाह त्रिंकोमाली में एनर्जी हब बनाने पहुंचा भारत का युद्धपोत

कोलंबो । श्रीलंका के पूर्वी बंदरगाह त्रिंकोमाली में एनर्जी हब बनाने की कबायद के चलते भारत का युद्धपोत पहुंच गया है। इसके पहुंचने पर श्रीलंका ने जोरदार स्वागत किया है। भारतीय नौसेना ने आईएनएस खंजर के त्रिंकोमाली पहुंचने की तस्वीरें भी जारी की है। हालांकि इससे चीन और अमेरिका दोनों के मंसूबों पर पानी फिर गया है। चीन के हाथों कंगाल होने के बाद अब श्रीलंका को भारत से बड़ी उम्मीदें हैं। इन्हीं उम्मीदों को लेकर श्रीलंकाई राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे इस महीने भारत यात्रा पर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक लंबी बैठक भी की थी। इस बैठक में आपसी संबंधों को मजबूत करने के अलावा श्रीलंका के पूर्वी बंदरगाह त्रिंकोमाली में एक एनर्जी हब बनाने पर भी चर्चा हुई थी। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि श्रीलंका ने भारत की दशकों पुरानी इस मांग को स्वीकार कर लिया है। बता दें कि त्रिंकोमाली वही बंदरगाह है, जिसे एक समय अमेरिकी सैन्य अड्डे के तौर पर देखा जाने लगा था। यहां की रेत में कई दुर्लभ खनिज पदार्थ भी छिपे हुए हैं। भारतीय नौसेना के मिसाइल कार्वेट आईएनएस खंजर के त्रिंकोमाली पहुंचने पर श्रीलंकाई नौसेना ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान दोनों देशों की नौसेना के बीच व्यावसायिक बातचीत, खेल कार्यक्रम और जहाज पर यात्रा निर्धारित है। भारतीय नौसेना ने आईएनएस खंजर के त्रिंकोमाली पहुंचने की तस्वीरें भी जारी की है। इसमें भारतीय युद्धपोत के कप्तान श्रीलंकाई नौसेना के अधिकारी से हाथ मिलाते हुए नजर आ रहे हैं। श्रीलंका की भौगोलिक उपस्थिति हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि चीन और अमेरिका दोनों ही श्रीलंका में अपना स्थायी नौसैनिक अड्डा बनाने की कोशिश में जुटे हैं। भारत 1970 के दशक से ही श्रीलंका से त्रिंकोमाली बंदरगाह के इस्तेमाल की इजाजत मांग रहा है। तब से लेकर अब तक भारत के कई नेताओं ने श्रीलंका के साथ त्रिंकोमाली को लेकर चर्चा भी की है।

चीन ने अंडमान से सिर्फ 1200 किमी दूर रीम नेवल बेस किया तैयार

नामपेन्ह । चीन लगातार भारत के और करीब आता जा रहा है। ताजा जानकारी मिली है कि चीन ने कंबोडिया के रीम नेवल बेस को पूरी तरह से तैयार कर लिया है। हालिया सैटेलाइट तस्वीरों से यह खुलासा हुआ है कि रीम नेवल बेस पर बहुत बड़ी संख्या में इंफ्रास्ट्रक्चर को डेवलप किया गया है। इसमें नौसैनिकों के रहने के लिए आवास, नई ऑफिस बिल्डिंग, एयर डिफेंस मिसाइल बेस, ड्राई डेक और युद्धपोतों को ठहरने के लिए पहले से बड़ी जेट्टी शामिल हैं। रीम नेवल बेस को सबसे पहले अमेरिका ने बनाया था, लेकिन 2019 में कंबोडियाई सरकार ने कर्ज के बदले इसे चीन को सौंप दिया था। यह नेवल बेस बंगाल की खाड़ी में मौजूद भारतीय सैन्य अड्डा अंडमान और निकोबार से सिर्फ 1200 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। ऐसे में रीम नेवल बेस के विकसित होने और चीनी नौसेना की मौजूदगी से हिंद महासागर में भारत की चिंता भी बढ़ सकती है। हालां ?कि चार साल पहले अमेरिकी खुफिया विभाग ने पहली बार बताया था कि चीन और कंबोडिया के बीच रीम नौसैनिक अड्डे को लेकर करार हुआ है। तब से लेकर दुनियाभर के विश्लेषकों और खुफिया एजेंसियों ने इस सैन्य अड्डे के हर एक डेवलपमेंट पर करीबी निगाह रखी है। लेकिन अब मैक्सार टेक्नोलॉजीज की सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि थाईलैंड की खाड़ी पर सिहानोकविले के पास कंबोडियाई नौसैनिक अड्डे में बड़े स्तर पर डेवलपमेंट हुआ है। चीन के पैसों से विकसित यह नौसैनिक अड्डा बीजिंग की सैन्य पहुंच को दक्षिण पूर्व एशिया के विवादित जल क्षेत्रों तक बढ़ाएगा। इन नई सैटेलाइट तस्वीरों ने चीनी पैसों से विकसित रीम नौसैनिक अड्डे के विकास कार्यों का पूरा लेखा-जोखा दिया है। इसमें साफ और समतल जमीन, अधिक बड़े क्षेत्र में विस्तार, कई नई इमारतों और सड़कों का निर्माण और सबसे महत्वपूर्ण पहले मौजूद मूल जेट्टी की तुलना में अधिक बड़ी जेट्टी का निर्माण शामिल है। इस नौसैनिक अड्डे के चारों और नई बाड़ भी लगाई गई है। इसके अलावा अमेरिकी पैसों से बनी इमरतों को ध्वस्त भी कर दिया गया है।

चीनी मेलवेयर से अमेरिकी सेना परेशान, कंम्यूनिकेशन सिस्टम हो सकता है धराशायी

वॉशिंगटन। चीन की जासूसी का खतरा एक मेलवेयर के जरिये अमेरिकी सेना के अंदर तक पहुंच गया है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी अधिकारी कई रक्षा प्रणालियों में छिपे चीनी मैलवेयर की तलाश कर रहे हैं, जो मिलिट्री संचार और आपूर्ति संचालन को बाधित कर सकते हैं। प्रशासन का मानना है कि खराबी पैदा करने वाले कंप्यूटर कोड मिलिट्री बेस के पावर ग्रिड, कम्युनिकेशन सिस्टम और पानी सप्लाई को नियंत्रित करने वाले नेटवर्क के अंदर छिपा हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक इस खोज से यह चिंता बढ़ गई है कि चीनी हैकर्स किसी भी युद्ध के दौरान अमेरिकी सैन्य अभियानों को बाधित कर सकते हैं। गौरतलब है कि ताइवान के साथ-साथ इंडो-पैसिफिक में चीन की कार्रवाई को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ रहे हैं। अमेरिकी कांग्रेस के एक अधिकारी ने बताया कि मैलवेयर एक टिक-टिक करते टाइम बम की तरह है, जो सैन्य ठिकानों पर बिजली, पानी और कम्युनिकेशन में कटौती कर सकता है या उन्हें धीमा कर सकता है। इस मामले में अधिकारियों ने कहा कि मिलिट्री बेस कई बार उन्हीं बुनियादी ढांचों का इस्तेमाल करते हैं, जिनसे आम नागरिक जुड़े होते हैं। ऐसे में अमेरिकी भी प्रभावित हो सकते हैं।

नाइजर में जुंटा समर्थकों को हटाने आंस गैस के गोले दागते हुए सुरक्षाकर्मी।

सऊदी अरब में होगी यूक्रेन पर बैठक, भारत सहित 30 देश होंगे शामिल

दुबई। यूक्रेन में जारी युद्ध के बीच सऊदी अरब अगस्त की शुरुआत में एक शांति वार्ता की मेजबानी करेगा, जिसमें भारत भी शामिल हो सकता है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। बहरहाल सऊदी अरब और यूक्रेन ने अभी इस वार्ता की पुष्टि नहीं की है। अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि यह शिखर वार्ता लाल सागर के बंदरगाह शहर जेद्दा में होगी। उन्होंने बताया कि शिखर वार्ता में यूक्रेन के साथ ही ब्राजील, भारत, दक्षिण अफ्रीका और कई अन्य देश हिस्सा लेंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के एक उच्च स्तरीय अधिकारी के भी बैठक में शामिल होने की संभावना है। अधिकारी के मुताबिक, इस आयोजन की तैयारियां यूक्रेन संभाल रहा है। उन्होंने कहा कि रूस के वार्ता में भाग लेने की संभावना नहीं है। शांति वार्ता पांच-छह अगस्त को होगी और लगभग 30 देश इसमें हिस्सा लेंगे। अभी सऊदी अरब के अधिकारियों और रियाद में यूक्रेनी दूतावास ने इस पर टिप्पणी नहीं की है। इस शिखर वार्ता की खबर ऐसे वक्त में आई है, जब अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान ने हाल ही में सऊदी अरब की यात्रा की थी। अधिकारियों ने कहा कि जून में हुई बातचीत के बाद यह शिखर सम्मेलन अगला कदम है। रूस और यूक्रेन के युद्ध के बाद से ही दुनिया दो धड़ों में बंटी हुई है। एक धड़ा ऐसा है जो सीधे तौर पर यूक्रेन की मदद कर रहा है। अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिमी देश यूक्रेन को हथियारों के साथ-साथ राजनीतिक मदद भी दे रहे हैं। ईरान सीरिया और बेलारूस जैसे देश तो सीधे तौर पर रूस की मदद कर रहे हैं। वहीं एक धड़ा ऐसा है जो न्यूट्रल है। ज्यादातर अरब देश न्यूट्रल ही रहे हैं। ओपेक प्लस का सदस्य होने के कारण रूस और सऊदी करीब हैं।

दुश्मन देश पर हमला करने पहुंचे भारत के रॉकेट, एक साथ 3 देशों के मोदी ने उड़ा दिए होश

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। भारत ने ऐसा कदम उठाया है जिसने एक साथ कई देशों को परेशान कर दिया है। भारत के एक कदम से तीन दुश्मन देश बर्बाद होने वाले हैं। भारत ने अपने वादे को पूरा करते हुए एक छोटे से देश अर्मेनिया को खतरनाक पिनाका रॉकेट लॉन्चर सिस्टम दे दिया है। भारत के इस कदम से पाकिस्तान का दोस्त अजरबैजान काफी खौफ में नजर आ रहा है। रूस यूक्रेन वॉर से पहले अर्मेनिया और अजरबैजान का युद्ध दुनिया ने देखा था। इस युद्ध में पाकिस्तान खुलकर अजरबैजान के साथ खड़ा था। जिसके बाद अर्मेनिया ने भारत के साथ दो हजार करोड़ का हथियार सौदा किया है। इसी के तहत भारत का पिनाका अर्मेनिया में पहुंच गया है। अजरबैजान भारत से अर्मेनिया को हथियार देने का विरोध जाहिर कर रहा है।

भारत का प्रलंयकारी स्वदेशी मल्टीबैरल रॉकेट सिस्टम पिनाका जिसकी तुलना अमेरिकी हैमर्स से की जाती है। उसकी डिलीवरी अर्मेनिया को हो चुकी है। इस खबर से पाकिस्तान के टॉप फाइव दोस्तों में शामिल अजरबैजान को सबसे बड़ा सदमा लगा है। अब अर्मेनिया पर किसी भी हमले का जवाब भारतीय मल्टीबैरल रॉकेट सिस्टम पिनाका देगा। जिसका सीधा सा मतलब अर्मेनिया के दुश्मनों की तबाही होगी। अर्मेनिया लगातार अजरबैजान को दुनियाभर के देशों से मिल रहे हथियारों की वजह से परेशान था। जिसके बाद उसने भारत के साथ 2 हजार करोड़ रुपए के हथियारों का सौदा किया था। इसी सौदे में शामिल पिनाका की पहली खेप अर्मेनिया पहुंच चुकी है।

अर्मेनिया और अजरबैजान के बीच काफी समय से जंग चल रही है। अजरबैजान तुर्की और पाकिस्तान की मदद से अर्मेनिया पर हमले कर रहा था। लेकिन अब भारत ने अर्मेनिया को आत्मरक्षा के लिए अपना खतरनाक पिनाका रॉकेट सिस्टम दे दिया। भारत ने अर्मेनिया को जो पिनाका रॉकेट सिस्टम भेजा है वो 40 किलोमीटर तक मार कर सकता है। इस तरह से भारत ने एक तीर से चार शिकार किए हैं। सबसे पहला तो भारत के हथियारों पर अब दुनिया को भरोसा हो रहा है। वहीं दूसरा, तीसरा और चौथा शिकार अजरबैजान, पाकिस्तान और तुर्की हैं। ये तीनों ही देश भारत के खिलाफ कश्मीर को लेकर संयुक्त राष्ट्र में अपना एजेंडा चलाते हैं। लेकिन अर्मेनिया की मदद करके भारत ने तीनों को एक साथ जवाब दिया है।

जेलेंस्की का जंग के 522 दिन बाद बड़ा बयान....युद्ध धीरे-धीरे रूस में लौट रहा

कीव (एजेंसी)। क्रेमलिन द्वारा कीव पर ड्रोन से मास्को को टारगेट करने के आरोप लगाने के कुछ घंटों बाद, यूक्रेनी राष्ट्रपति ब?लादिमिर जेलेंस्की ने कहा कि युद्ध धीरे-धीरे रूस में लौट रहा है। एक वीडियो संबोधन में, जेलेंस्की ने कहा, आज विशेष सैन्य अभियान का 522वां दिन है, जिसके बारे में रूसी नेतृत्व ने सोचा था कि यह कुछ सप्ताह तक चलेगा। युद्ध धीरे-धीरे रूस के क्षेत्र में लौट रहा है। इसके प्रतीकात्मक केंद्रों और सैन्य अड्डों पर, और यह एक अपरिहार्य, प्राकृतिक और उचित प्रक्रिया है। रूस अपने आक्रमण को विशेष सैन्य अभियान कहता है।

रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि तीन ड्रोन रोके गए, लेकिन राजधानी के पश्चिम में एक व्यापारिक और खरीदारी विकास प्रभावित हुआ। रिपोर्ट्स के मुताबिक 50 मंजिला इमारत की पांचवीं और छठी मंजिल क्षतिग्रस्त हो गई और किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। वीडियो में घटनास्थल पर मलबे के साथ-साथ आपातकालीन सेवाएं भी दिखाई दे रही हैं। यूक्रेनी वायु सेना के प्रवक्ता ने कहा कि मॉस्को पर नवीनतम ड्रोन हमलों का उद्देश्य उन रूसियों को प्रभावित करना था, जिन्हें लगता था कि युद्ध दूर है। वायुसेना प्रमुख ने कहा, रूस के साथ-साथ मॉस्को में भी हमेशा कुछ न कुछ उड़ता रहता है। अब युद्ध उन लोगों को प्रभावित कर रहा है जो चिंतित नहीं थे।

यूक्रेनी मंत्री मायखाइलो फेडोरोव ने कहा कि कीव में गर्मियों में जवाबी कार्रवाई तेज होने के कारण और अधिक ड्रोन हमले हो सकते हैं, इसका उद्देश्य रूसी सैनिकों को यूक्रेनी क्षेत्र से बाहर धकेलना है। यूक्रेन ने 24 जुलाई को हुए हमले की जिम्मेदारी ली है, इसमें दो गैर-आवासीय इमारतों पर हमला किया गया था, जिसमें रक्षा मंत्रालय मुख्यालय के पास की इमारत भी शामिल थी। इस बीच, 29 जुलाई को शहर सुमी में एक रूसी मिसाइल हमले में 20 लोग मारे गए, जबकि ज़ापोरिज़िया पर एक रॉकेट हमले में दो अन्य लोग मारे गए।

शहबाज शरीफ ने किया साफ, पीएमएल-एन के सत्ता में लौटने पर भाई नवाज ही होंगे देश के अगले प्रधानमंत्री

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में वित्त मंत्री इशाक डार की नियुक्ति की संभावना से इनकार करते हुए कहा कि आगामी आम चुनावों को पारदर्शी बनाने के लिए अगले महीने अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए एक तटस्थ व्यक्ति का चयन किया जाएगा। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के अध्यक्ष शहबाज शरीफ ने संकेत दिया कि 2019 से लंदन में स्व-निर्वासित निर्वासन में रह रहे तीन बार के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ अगले कुछ हफ्तों में पाकिस्तान लौट आएंगे। उन्होंने कहा कि अगर पार्टी चुनाव जीतती है तो 73 वर्षीय पीएमएल-एन सुप्रीमो प्रधानमंत्री होंगे। उन्होंने जियो न्यूज को बताया कि नेशनल असेंबली (एनए) के विघटन की अधिसूचना संसद के निचले सदन का कार्यकाल पूरा होने से कुछ दिन पहले राष्ट्रपति आरिफ अल्वी को भेज दी जाएगी। उन्होंने कहा कि एनए 12 अगस्त की रात 12 बजे अपना कार्यकाल पूरा कर लेगा। उन्होंने कहा कि सहयोगी दलों, पीएमएल-एन के सर्वोच्च नेता नवाज शरीफ और नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता राजा रियाज के साथ परामर्श के बाद कार्यवाहक व्यवस्था पर सहमति होगी।

बीजिंग में भारी बारिश का कहर, खिलौनों की तरह बह गईं दर्जनों गाड़ियां

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में इन दिनों भयानक बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। इसके लिए आपातकालीन सेवाएं बनाए रखने के आदेश दिए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार चीन की सरकार ने राजधानी बीजिंग और उत्तर के अन्य क्षेत्रों में स्थानीय अधिकारियों से कहा कि वे टाइफून डोक्सुरी के कारण हुई भारी बारिश के बीच बाढ़ से निपटने के लिए तैयार रहें। बाढ़ नियंत्रण अधिकारियों ने बीजिंग, तियानजिन, हेबेई, शांक्सी और हेनान प्रांतों के लिए अपने इमरजेंसी रिस्पॉन्स ऑर्डर को लेवल-2 पर अपग्रेड कर दिया। इस बीच चीन से बाढ़ का एक भयानक वीडियो भी सामने आया है जिसमें दर्जनों गाड़ियां पानी के तेज बहाव में बहती नजर आ रही हैं। चीन के मीडिया ने यह वीडियो ट्विटर पर शेयर किया है। वीडियो में पानी का तेज बहाव अपने साथ कई गाड़ियों को ढकेलता नजर आ रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि पश्चिमी बीजिंग उपनगरों में भारी बारिश के कारण बाढ़ आ गई है। कुछ निवासी ऊंची जगहों पर रेस्क्यू का इंतजार कर रहे हैं, कारें बाढ़ के पानी में बह रही हैं।

इधरकैपिटल इंटरनेशनल एयरपोर्ट द्वारा रविवार को दोपहर 3 बजे तक 52 उड़ानें रद्द कर दी गईं। वहीं चाइना सेंट्रल टेलीविजन की रिपोर्ट के अनुसार, तियानजिन एयरपोर्ट ने सुबह 10 बजे तक 42 उड़ानें रद्द कर दीं। रेल अधिकारियों ने कहा कि बीजिंग और गुआंगज़ौ के बीच चलने वाली कुछ ट्रेनों में थोड़ी देरी हुई क्योंकि भारी बारिश के कारण लाइन के कुछ हिस्सों की जांच की जा रही थी। वहीं इस साल के पांचवें तूफान डोक्सुरी ने पूर्वी चीन के फुजियान प्रांत में दस्तक दी थी जिससे तेज हवाएं और भारी बारिश हुई थी।

जेयूआई-एफ के कार्यकर्ताओं पर आत्मघाती विस्फोट में आईएस आतंकवादी का हाथ

-पाकिस्तान की पुलिस ने जताया शक, आत्मघाती हमले में 46 लोगों की चली गई थी जान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की पुलिस ने आत्मघाती विस्फोट में आईएस आतंकवादी संगठन का हाथ होने की आशंका जताई है। इस मामले में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की पुलिस ने सोमवार को कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि बाजौर में जमीयत उलेमा इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) के कार्यकर्ताओं पर आत्मघाती विस्फोट के पीछे इस्लामिक स्टेट (आईएस) आतंकवादी समूह का हाथ था। बता दें कि इसमें 46 लोगों की जान चली गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को अफगानिस्तान की सीमा से लगे पूर्व कबायली इलाके में एक आत्मघाती हमलावर ने रैली में विस्फोटक विस्फोट कर दिया, इसमें 100 से अधिक लोग घायल हो गए। जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) नजीर खान ने कहा, बाजौर और आसपास के इलाकों के अस्पतालों में आपातकाल घोषित कर दिया गया, जहां ज्यादातर घायलों को ले जाया गया था। गंभीर रूप से घायलों को सैन्य हेलीकॉप्टरों द्वारा बाजौर से पेशावर के अस्पतालों में ले जाया गया।

यहां की पुलिस ने कहा कि हम अभी भी बाजौर विस्फोट की जांच कर रहे हैं और जानकारी इकट्ठा कर रहे हैं। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि प्रतिबंधित संगठन दाएश इसमें शामिल था। डीपीओ खान ने बताया कि तीन संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया गया है। बता दें कि पिछले साल तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और इस्लामाबाद के बीच युद्धविराम टूटने के बाद से पाकिस्तान में चरमपंथियों के हमलों में फिर से बढ़ोतरी देखी गई है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस साल की शुरुआत में पेशावर में एक मस्जिद में हुए बम विस्फोट में 100 से अधिक लोग मारे गए थे। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को सौंपी गई एक रिपोर्ट में बताया कि टीटीपी एक व्यापक संगठन बनाने के लिए अल कायदा के साथ विलय की मांग कर सकता है, जो दक्षिण एशिया में सक्रिय सभी आतंकवादी समूहों को आश्रय देता है।

बताया जा रहा है कि पाकिस्तान लंबे समय से अफगानिस्तान पर यह सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा नहीं करने का आरोप लगाता रहा है कि उसकी धरती का इस्तेमाल इस्लामाबाद में आतंकवाद के लिए नहीं किया जाए, लेकिन सीमा पार आतंकवाद जारी है। जेयूआई-एफ प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने मांग की कि प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ और केपी कार्यवाहक मुख्यमंत्री आजम खान घटना की जांच करें। लक्षित पार्टी गठबंधन सरकार की एक प्रमुख सहयोगी है, जो नवंबर में होने वाले राष्ट्रीय चुनावों की तैयारी कर रही है। इधर शरीफ ने विस्फोट की निंदा करते हुए इसे पाकिस्तान की लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर हमला बताते हुए जिम्मेदार लोगों को दंडित करने का फैसला किया है।

चीन की अर्थव्यवस्था खस्ताहाल में....लगातार चौथे महीन पीएमआई में गिरावट

बीजिंग (एजेंसी)। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश चीन को आर्थिक मोर्चे पर फिर झटका लगा है। जुलाई में देश में फैक्ट्री गतिविधियों में फिर गिरावट आई है। लगातार चौथे महीने चीन में फैक्ट्री कामकाज में गिरावट आई है। चीन की अर्थव्यवस्था सुस्ती से बाहर नहीं निकल पा रही हैं, और एक्सपोर्ट में भी भारी कमी आई है। चीन सरकार ने अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए नए उपायों की घोषणा की है। वहीं अमेरिका और कई पश्चिमी देशों ने चीन पर निर्भरता कम करने के लिए उपाय करने शुरू कर दिए हैं। इन देशों की कई कंपनियां भारत सहित दूसरे देशों में ठिकाना तलाश रही हैं। इस कारण देश में उत्पादन में कमी आई है। सोमवार को जारी आधिकारिक मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग इंडेक्स (पीएमआई) 49.3 रहा। अगर यह 50 से कम रहता है, तब इसके कॉन्ट्रैक्शन माना जाता है।

हालांकि जुलाई में पीएमआई जून के मुकाबले मामूली रूप से बेहतर रहा। जून में देश का पीएमआई 49.0 रहा था। हालांकि नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टैटिस्टिक्स (एनबीएस) के झाओ किंगदे के मुताबिक पीएमआई में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। चीनी सरकार अपनी ग्रोथ को पटरी पर लाने के लिए संघर्ष कर रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह है कि देश में उपभोक्ता खर्च में भारी कमी आई है। देश में नॉन-मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआई भी जुलाई में गिरकर 51.5 रह गई जो जून में 53.2 था। यह सर्विसेज और कंस्ट्रक्शन सेक्टर्स में बिजनस सेंटिमेंट बताता है। इससे साफ है कि चीन में कैपिटल मार्केट सर्विसेज और रियल एस्टेट गतिविधियों में भी कमी आई है।

हाल में चीन को आर्थिक मोर्चे पर हर तरफ से निराशा ही हाथ लगी है। दूसरी तिमाही में चीन की अर्थव्यवस्था 6.3 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ी जबकि आर्थिक जानकार इसके 7.1 प्रतिशत रहने की उम्मीद कर रहे थे। खपत में सुस्ती, रियल एस्टेट सेक्टर में संकट और डिफ्लेशन की आशंका के कारण चीन की हालत खस्ता है। आर्थिक जानकार लैरी हू का कहना है कि चीन की स्थिति जापान की याद दिलाती है जहां कई साल तक स्टैगनेशन की स्थिति पैदा हो गई थी। चीन को लंबे समय से दुनिया का वर्कशॉप माना जाता है। देश काफी हद तक एक्सपोर्ट पर निर्भर है। लेकिन हाल में उसके एक्सपोर्ट में भारी कमी आई है। अमेरिका और यूरोप में मंदी का खतरा और महंगाई बढ़ने से

दुनियाभर में चीन के सामान की डिमांड कम हो रही है। इसके साथ ही डिमांड में कमी चीन की मैन्युफैक्चरर्स के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। देश को इससे बाहर निकालने के लिए सरकार ने नए उपायों की घोषणा की है। सोमवार को सरकार ने खपत बढ़ाने के लिए 20 सूत्री प्लान की घोषणा की।

हाई स्पीडिंग रोकने का नया फार्मूला तैयार, फास्टैग से चालान काटने की तैयारी

नई दिल्ली । सड़क पर निर्धारित गति से अधिक की स्पीड पर गाड़ी चलाने वालों को रोकने के लिए अब यातायात पुलिस ने नया फार्मूला निकाला है। यदि कोई निर्धारित स्पीड से तेज भागते हुए निकलेगा तो उसके फास्टैग एकाउंट से चालान काटा जाएगा। यह बात सही है कि भारत में सड़क और यातायात से जुड़े नियमों के उल्लंघन के मामले कुछ ज्यादा ही सामने आते हैं। इनमें से एक नियम का उल्लंघन सबसे ज्यादा होता है वह है स्पीडिंग, यानी तय सीमा से ज्यादा स्पीड में गाड़ी चलाना। ऐसे में मामलों से निपटना पुलिस के लिए भी एक बड़ी चुनौती है। अब पुलिस ने इससे निपटने के लिए नया तरीका इजात किया है। बैंगलोर और मैसूर एक्सप्रेस वे पर स्पीडिंग से जुड़े नियमों का उल्लंघन करने वालों का फाइन अब सीधे उनके फास्टैग अकाउंट से कटेगा। इस 6 लेन स्ट्रेच एक्सप्रेस वे पर 100 किमी प्रति घंटा की स्पीड वैलिड है। इससे ज्यादा रफ्तार में गाड़ी चलाने वालों का अब चालान सीधे उनके फास्टैग अकाउंट से कटेगा। पुलिस की इस इस पहल का उद्देश्य रिस्पॉन्सिबल ड्राइविंग को बढ़ावा देना है। इस एक्सप्रेस वे पर बीते कुछ वक्त में एक्सिडेंट्स के मामले तेजी से बढ़े हैं। वर्तमान में फास्टैग के जरिए दिए गए फाइन्स एनएचएआई को भेजे जाते हैं। अब बैंगलोर पुलिस इन फंड्स को सीधे गवर्नमेंट ट्रेजरी में ट्रांसफर करेगी। फास्टैग खातों से सीधे जुर्माना काटने से मोटर चालकों और अधिकारियों दोनों के लिए ज्यादा आसानी हो जाएगी। इससे मैन्युअल जुर्माना वसूली की जरूरत खत्म हो जाएगी। यातायात की भीड़ को कम करता है और रोड सेफ्टी को भी बढ़ावा देता है। जुर्माने का सीधा असर उनके फास्टैग खातों पर पड़ने से, ड्राइवर ज्यादा सतर्क हो जाएंगे और स्पीड लिमिट का पालन करेंगे, जिससे सड़कें सुरक्षित होंगी।

सारी दुनिया में बढ़ रही है शाकाहारी भोजन की मांग

नई दिल्ली । ब्रिटेन की मार्केटिंग रिसर्च और डाटा एनालिसिस फर्म युगोव के अध्ययन से जानकारी मिली है,कि दुनिया भर के सभी देशों में शाकाहारी भोजन की मांग बढ़ी है। शाकाहारी रेस्टोरेंट कोरोना के बाद बड़ी तेजी के साथ दुनिया के देशों में बढ़े हैं। साइलेंट हार्ट अटैक और बढ़ते कैंसर के डर से दुनिया भर के देशों में शाकाहारी भोजन की मांग बढ़ रही है। द ग्रेट ग्रीन वॉल 2023 के अध्ययन में भी यह माना गया है, कि हार्ट अटैक और कैंसर की बीमारियां शाकाहारी भोजन से कम होती हैं।

शाकाहारी भोजन की खासियत : शाकाहारी भोजन का विकल्प बड़ी तेजी के साथ चुना जा रहा है। शाकाहारी भोजन में फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट, पोटेशियम, मैग्नीशियम, फोलेट, विटामिन ए, सी और ई,अच्छी मात्रा में मौजूद रहता है। शाकाहारी भोजन लगभग 120 बीमारियों मे लाभकारी साबित हुआ है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की मानें तो 47 फ़ीसदी चीनी नागरिक अब फलों और सब्जियों का उपयोग ज्यादा कर रहे हैं। कोरोना के बाद शाकाहारी रेस्टोरेंट 36 फ़ीसदी चीन में बढ़ गए हैं। ब्रिटेन में भी बड़ी तेजी के साथ शाकाहारी रेस्टोरेंट खुल रहे हैं। यहां पर भी शाकाहारी भोजन करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

भारत में 65 फ़ीसदी शाकाहारी : भारत के 65 फ़ीसदी भारतीयों ने 2022 में शाकाहारी भोजन का विकल्प चुना है। भारत के महानगरों में कोरोना के बाद वेजीटेरियन पिज़्ज़ा, बर्गर, पास्ता एवं अन्य फास्ट फूड की बिक्री 70 फ़ीसदी तक बढ़ गई है। जो 2022 के पहले अधिकतम 50 फीसदी थी।

अब आंध्र प्रदेश के किसान ने 40,000 टमाटर के बक्से बेच कमाए 4 करोड़

चेन्नई । देशभर में ऐसे कई किसान सामने आए है जिन्होंने टमाटर की खेती से अपने सालों की मेहनत को एक ही झटके में पूरा कर लिया। दरअसल, अब आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में एक किसान ने 45 दिनों में टमाटर की बिक्री कर करीब 4 करोड़ रुपए की आमदनी की। किसान ने इस साल 22 एकड़ कृषि भूमि में टमाटर की खेती की और 45 दिनों की अवधि में 40,000 बक्से टमाटर बेचे, जिसके परिणामस्वरूप देश में टमाटर की बढ़ती कीमतों के बीच, 4 करोड़ रुपए की प्रभावशाली आय हुई। पिछले 45 दिनों में चंद्रमौली ने अपनी टमाटर की उपज कर्नाटक के नजदीकी कोलार बाजार में बेची, जो सुविधाजनक रूप से उनके गृहनगर के करीब स्थित है। इस अवधि के दौरान, टमाटर की 15 किलोग्राम क्रेट की कीमत 1,000 और 1,500 के बीच रही। वहीं ?किसान के हवाले से कहा ?कि अब तक मुझे जो उपज मिली है, उससे मैंने 4 करोड़ कमाए हैं। कुल मिलाकर मुझे उपज प्राप्त करने के लिए अपनी 22 एकड़ जमीन में 1 करोड़ का निवेश करना पड़ा और इसमें कमीशन और परिवहन शुल्क शामिल है। इसलिए मुनाफा 3 करोड़ ही रहेगा।

रेप का आरोप लगने के बाद बीजेपी नेता ने फेसबुक लाइव पर खाया जहर

मुरादाबाद । उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में भाजपा किसान मोर्चा के जिला संयोजक वीर सिंह की एक मंदिर में स्थानीय लोगों ने पिटाई की थी। बाद में एक महिला के बलात्कार के आरोप में उन पर केस भी दर्ज कराया गया था। वीर सिंह ने फेसबुक लाइव पर यह कहते हुए जहर खा लिया कि इस आरोप के बाद वह अपनी 15 साल की बेटी को मुंह नहीं दिखा सकते। 7 मिनट लंबे वीडियो में 40 साल के वीर सिंह ने कहा कि मेरी 15 साल की बेटी है और इस अपमान के बाद उसे अपना चेहरा दिखाना मुश्किल है। वीर सिंह ने कहा कि बलात्कार के आरोप झूठे हैं और मैं इस बात से बहुत दुखी हूं कि मेरी पार्टी के साथियों ने भी मेरा समर्थन नहीं किया। कॉस्मेटिक की दुकान चलाने वाले कांठ क्षेत्र के निवासी वीर सिंह ने आरोप लगाया कि यह सब संपत्ति विवाद के कारण मेरी पार्टी के ईर्ष्यालु सदस्यों की एक बड़ी साजिश का हिस्सा है। मैं बहुत धार्मिक व्यक्ति हूं और वर्तमान में सावन महीने के दौरान व्रत रख रहा हूं। इस बीच, पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) संदीप कुमार मीणा ने कहा कि वीर सिंह का गुरुवार को कांठ इलाके में एक मंदिर समिति के अध्यक्ष के साथ विवाद हुआ था, जिसके बाद दोनों लोगों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। एसपी ने बताया कि वीर सिंह ने आरोप लगाया है कि उनके साथ मारपीट की गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति ने उन पर मंदिर परिसर में एक महिला के साथ यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। हमने दोनों लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। जब हमें पता चला कि सिंह ने जहर खा लिया और बेहोश हो गए। हम उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले गए। उनकी हालत में सुधार हुआ है और हम जल्द ही उनका बयान दर्ज करेंगे। हमने उनके परिवार को निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है।

मेरे परिवार का कोई सदस्य डब्ल्यूएफआई चुनाव में दावेदारी पेश नहीं कर रहा : बृज भूषण

नयी दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह ने सोमवार को कहा कि उनके परिवार का कोई सदस्य राष्ट्रीय खेल संस्था के आगामी चुनाव में दावेदारी पेश नहीं करेगा लेकिन उन्होंने दोहराया कि उनके गुट को 22 राज्य संघों का समर्थन हासिल है। भारतीय जनता पार्टी के सांसद बृज भूषण ने दावा किया है कि रविवार को उनकी मेजबानी में हुई बैठक में 25 राज्य इकाइयों में से 22 ने हिस्सा लिया। उन्होंने साथ ही कहा कि महासंघ के 12 अगस्त को होने वाले चुनावों के विभिन्न पदों के लिए 'उनके उम्मीदवारों' की घोषणा सोमवार को की जाएगी। बृज भूषण सोमवार को डब्ल्यूएफआई चुनावों के लिए नामांकन के अंतिम दिन यहां भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के कार्यालय भी गए। बृज भूषण ने कहा, ''आज नामांकन का अंतिम दिन है, 22 राज्य संघों के सदस्य यहां थे और वे मिलने के लिए आए हैं और अब अपना नामांकन भरने जा रहे हैं। इनमें मेरे परिवार का कोई सदस्य नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''पहले चुनाव होने दीजिए और फिर जो भी जीतेगा वह अपना काम करेगा।'' ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक तथा एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता विनेश फोगाट सहित देश के शीर्ष छह पहलवानों ने बृज भूषण पर कथित रूप से यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे और जंतर-मंतर पर धरना-प्रदर्शन भी किया था। बृज भूषण हालांकि चुनाव लड़ने के पात्र नहीं हैं क्योंकि वह राष्ट्रीय महासंघ के प्रमुख के तौर पर 12 साल पूरे कर चुके हैं जो राष्ट्रीय खेल संहिता के तहत पद पर बने रहने के लिए अधिकतम समय है। बृज भूषण का बेटा करण भी मतदाता सूची का हिस्सा नहीं है क्योंकि खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने जंतर-मंतर पर धरना दे रहे पहलवानों को वादा किया था कि भारतीय जनता पार्टी के नेता के परिवार का कोई सदस्य चुनाव नहीं लड़ेगा।

इंडिया के सांसदों ने संसद में विपक्षी नेताओं को दी मणिपुर के हालात की जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। गठबंधन इंडिया के सांसदों ने मणिपुर का हाल ही में दौरा किया और उसकी जानकारी विपक्षी सांसदों को दी। खबर के मुताबिक हिंसा प्रभावित मणिपुर का दौरा करने वाले भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) के 21 सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को संसद में विपक्षी दलों के फ्लोर नेताओं को जानकारी दी। 21 सांसदों की हुई बैठक में राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और अन्य वरिष्ठ नेता भी शामिल हुए। सांसदों ने मणिपुर की अपनी दो दिवसीय यात्रा का अनुभव साझा किया, जहां उन्होंने राहत शिविरों में पीड़ितों और प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने पूर्वोत्तर राज्य की स्थिति पर मणिपुर की भाजपा सरकार के साथ-साथ केंद्र की भी आलोचना की और कहा कि दोनों सरकारों ने इस मामले पर अपनी आंखें बंद कर ली हैं। विपक्षी सांसदों के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा रहे चौधरी ने कहा कि चाहे वह राज्य सरकार हो या केंद्र सरकार, वे कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं, किसी को कोई परेशानी नहीं है। दोनों सरकारों ने अपनी आंखें बंद कर ली हैं।

बता दें कि मणिपुर का दौरा करने वाले इंडिया के सदस्यों ने वहां से लौटने के बाद यहां संवाददाताओं से भी बातचीत की। दिल्ली रवाना होने से पहले विपक्षी सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने इम्फाल के राजभवन में मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके से मुलाकात की और उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। इसमें पूर्वोत्तर राज्य में शांति बहाली का आग्रह किया गया। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल मणिपुर में मौजूदा संकट के लिए मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं और उन्हें बर्खास्त करने की मांग कर रहे हैं।

केंद्र सरकार मणिपुर पर बात करने के लिए तैयार : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली । केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने रविवार को दोहराया कि सरकार मणिपुर की स्थिति पर चर्चा के लिए तैयार है और विपक्ष पर संसद में बहस से भागने का आरोप लगाया। ठाकुर ने एक ट्वीट में लिखा ?कि हम पूरी संवेदनशीलता के साथ मणिपुर पर चर्चा के लिए हमेशा तैयार हैं। मुझे उम्मीद है कि मणिपुर गए सभी सांसद (विपक्ष) कल सदन में चर्चा के लिए आएंगे। वे भागेंगे नहीं और अपना अनुभव साझा करेंगे। मणिपुर के साथ-साथ केंद्र की पिछली कांग्रेस सरकार का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान कई महीनों तक मणिपुर बंद रहा। उस दौरान न तो प्रधानमंत्री और न ही गृहमंत्री ने कोई बयान दिया था।इससे पहले दिन में लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने पूर्वोत्तर राज्य की स्थिति पर मणिपुर की भाजपा सरकार के साथ-साथ केंद्र की भी आलोचना की और कहा कि दोनों सरकारों ने इस मामले पर अपनी आंखें बंद कर ली हैं। विपक्षी सांसदों के प्रतिनिधिमंडल में शामिल चौधरी ने कहा कि चाहे वह राज्य सरकार हो या केंद्र सरकार, वे (मणिपुर मुद्दे पर) कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं। दोनों सरकारों ने अपनी आंखें बंद कर ली हैं। दिल्ली रवाना होने से पहले विपक्षी सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने इंफाल स्थित राजभवन में मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके से मुलाकात की और एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें पूर्वोत्तर राज्य में शांति बहाली का आग्रह किया गया। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल पूर्वोत्तर राज्य में मौजूदा संकट के लिए मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को दोषी ठहरा रहे हैं और उनकी बर्खास्तगी की मांग कर रहे हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ का बड़ा बयान- ज्ञानवापी पर मुस्लिम समाज ऐतिहासिक गलती मानते हुए प्रस्ताव लाये

लखनऊ (एजेंसी)। सनातन धर्म को राष्ट्र धर्म बता चुके उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ज्ञानवापी मामले में बड़ा बयान देते हुए कहा है कि उसे मस्जिद कहने से विवाद होगा। उन्होंने कहा कि जिसके पास भी दृष्टि है वह देख सकता है कि वहां क्या था। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगर वहां मंदिर नहीं है तो त्रिशूल कहां से आ गया। योगी ने एएनआई की स्मिता प्रकाश के साथ एक पॉडकास्ट में कहा कि मंदिर की दीवारें चीख चीख कर जो कह रही हैं उसे सुना जाना चाहिए। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मुझे लगता है कि मुस्लिम समाज की ओर से ही प्रस्ताव आना चाहिए कि जो ऐतिहासिक गलती हुई है उसे सुधारा जाये।

अदालत से आने वाला है निर्णय

हम आपको यह भी बता दें कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को ज्ञानवापी सर्वेक्षण मामले में सुनवाई के बाद अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया। अदालत तीन अगस्त को निर्णय सुनाएगी। तब तक एएसआई सर्वेक्षण पर लगी रोक बरकरार रहेगी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश प्रीतिंकर दिवाकर की अदालत में बृहस्पतिवार को अपराह्न तीन बजकर 15 मिनट पर सुनवाई शुरू हुई। चूंकि मुख्य न्यायाधीश की अदालत में नियमित कार्य पूरा हो गया था, इसलिए न्यायमूर्ति दिवाकर ने दोनों पक्षों के वकीलों को बहस करने के लिए कहा। सुनवाई शुरू होने पर भारतीय पुरात्व विभाग (एएसआई) के अपर निदेशक ने अदालत को बताया कि एएसआई किसी हिस्से में खुदाई कराने नहीं जा रही है। वह मुख्य न्यायाधीश के सवाल का जवाब दे रहे थे। मुख्य न्यायाधीश ने पूछा कि आपका का उत्खनन (एक्सकेवेशन) से क्या आशय है? एएसआई के अधिकारी ने कहा कि काल निर्धारण और पुरातत्विक गतिविधियों से जुड़ी किसी गतिविधि को उत्खनन कहा जाता है, लेकिन हम स्मारक के किसी हिस्से की खुदाई (डिगिंग) करने नहीं जा रहे। मस्जिद कमेटी के वकील ने दलील दी कि वाद की पोषणीयता स्वयं उच्चतम न्यायालय में लंबित है और यदि उच्चतम न्यायालय बाद में इस निष्कर्ष पर पहुंचता है कि यह वाद पोषणीय नहीं है तो संपूर्ण कवायद बेकार जाएगी। इसलिए सर्वेक्षण उच्चतम न्यायालय के निर्णय के बाद किया जाना चाहिए।

हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने फैसला सुरक्षित किए जाने के बाद अदालत के बाहर संवाददाताओं को बताया, 'मुस्लिम पक्ष के वकील ने दलील दी थी कि साक्ष्य एकत्रित करने के लिए विशेषज्ञ नहीं भेजा जा सकता, लेकिन हमने उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के कई फैसलों का हवाला दिया जिसमें कहा गया है कि विशेषज्ञ भेजा जा सकता है।' उन्होंने कहा, 'हमने दलील दी कि एएसआई को राम मंदिर मामले में पैरा 361 में विशेषज्ञ निकाय माना गया है। इसके बावजूद मुस्लिम पक्ष कह सकता है कि इसकी स्क्रूटनी की जाए, लेकिन वह यह नहीं कह सकता कि विशेषज्ञ मत ना आए।' जैन ने बताया कि एएसआई ने अपने हलफनामे में कहा है कि यह पूरी प्रक्रिया हम ढांचे को क्षति पहुंचाए बगैर करेंगे। माननीय मुख्य न्यायाधीश ने दोनों पक्षों को पूरी तरह से सुनने के बाद अपना निर्णय सुरक्षित रखा है। सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता अजय मिश्रा ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य सरकार है और सर्वेक्षण को लेकर कोई चिंता नहीं है। वहीं हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि एक तार्किक परिणाम पर पहुंचने के लिए अदालत ने एएसआई सर्वेक्षण का आदेश पारित किया जोकि आवश्यक है। जैन ने मस्जिद के पश्चिम तरफ के फोटोग्राफ भी दिखाए जिसमें हिंदू पूजा स्थल के संकेत मौजूद हैं। इससे पूर्व, मस्जिद कमेटी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एसएफए नकवी ने कहा, 'जब वादी के पास अपने मामले के समर्थन में कोई साक्ष्य ना हो तो अदालत साक्ष्य संग्रह करने के लिए विशेषज्ञ नहीं भेजा करती।'

छह दिन बाद धरती की कक्षा से निकल कर चांद की सैर करेगा चंद्रयान-3

-1 अगस्त को 12 बजे से 1 बजे के बीच इसरो देगा इस अहम काम को अंजाम

बेंगलुरु (एजेंसी)। इसरो के चंद्रयान-3 मिशन को पंख लग गए हैं, और अब यह पृथ्वी की कक्षा से बाहर निकल कर चंद्रमा की कक्षा में पहुंचने वाला है। हालांकि इसके लिए अभी छह दिन और लगेंगे। इस तरह से भारत का तीसरा मून मिशन, चंद्रयान-3 अब चांद की कक्षा में पहुंचने से महज 6 दिन दूर है। जानकारी के अनुसार इसरो ने चंद्रयान-3 को पृथ्वी की कक्षा से चंद्रमा की कक्षा में भेजने के लिए 1 अगस्त को 12 बजे से 1 बजे के बीच उसके थ्रस्टर्स को चालू करने की योजना बनाई गई है। मध्यरात्रि में ट्रांस-लूनर इंजेक्शन की प्रक्रिया को पूरा होने में 28 से 31 मिनट के बीच का समय लगने की उम्मीद है। चंद्रयान-3 के ऑनबोर्ड थ्रस्टर्स को तब फायर किया जाएगा, जब चंद्रयान-3 पृथ्वी के निकटतम बिंदु पर होगा, न कि तब जब सबसे दूर के बिंदु पर होगा। चंद्रयान-3 के थ्रस्टर्स को चालू करके उसकी रफ्तार बढ़ाने की कोशिश, उसके धरती के सबसे करीब बिंदु से इसलिए की जाती है क्योंकि तब उसकी गति सबसे ज्यादा होती है।

इसरों से ?मिली जानकारी के अनुसार चंद्रयान-3 मौजूदा वक्त में 1 किमी/सेकंड और 10.3 किमी/सेकंड के बीच के वेग से एक अण्डाकार कक्षा में पृथ्वी के चारों ओर घूम रहा है। चंद्रयान-3 का वेग धरती के सबसे करीबी बिंदु पर सबसे ज्यादा (10.3 किमी/सेकंड) और धरती से सबसे दूर बिंदु पर सबसे कम होता है। चंद्रयान-3 की रफ्तार को बढ़ाने की कोशिश करते समय उसको तेज रफ्तार की जरूरत होगी। दूसरा कारण यह है कि चंद्रमा की ओर बढ़ने के लिए इसके कोण को बदलना होगा। जिसे चंद्रयान-3 के धरती के सबसे करीबी बिंदु पर बदला जा सकता है। ट्रांस-लूनर इंजेक्शन के लिए पहले से तैयार और लोड किए गए कमांड, थ्रस्टर्स के चालू होने की उम्मीद के समय से लगभग पांच-छह घंटे पहले शुरू किए जाएंगे। इससे चंद्रमा की ओर बढ़ने के लिए चंद्रयान-3 को अपना कोण बदलने में मदद मिलेगी।

साथ ही थ्रस्टर्स की फायरिंग से इसकी रफ्तार भी बढ़ेगी। टीएलआई के बाद चंद्रयान-3 का वेग पेरिगी की तुलना में लगभग 0.5 किमी/सेकंड अधिक होने की उम्मीद है। चंद्रयान-3 को औसतन 1.2 लाख किलोमीटर का सफर तय करने में करीब 51 घंटे का समय लगता है। जबकि पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की औसत दूरी 3.8 लाख किमी है। बहरहाल किसी भी दिन वास्तविक दूरी पृथ्वी और चंद्रमा की स्थिति के आधार पर अलग होगी।

लालू परिवार को बड़ा झटका, ईडी ने 6 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की

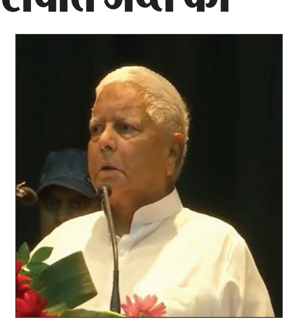

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नौकरी के बदले जमीन घोटाले में सोमवार को जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की संपत्ति कुर्क कर ली। संपत्तियों में यादव परिवार की दिल्ली और पटना की संपत्ति शामिल है, जिसमें न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में एक आवासीय घर भी शामिल है। यह तब हुआ है जब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने सोमवार को नौकरी के लिए भूमि घोटाले के संबंध में अपनी नई चार्जशीट में लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के अलावा बिहार के डिप्टी सीएम और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता तेजस्वी यादव का नाम लिया है। आरोप पत्र, जिसमें 14 अन्य लोगों के भी नाम हैं, मामले में दूसरा आरोप पत्र है।

क्या लगा है आरोप

दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में दायर आरोप पत्र में आरोप लगाया गया कि तेजस्वी और राबड़ी कथित अपराध के लाभार्थी थे। उन्होंने कहा कि यादव परिवार के सदस्यों के अलावा, सीबीआई ने मामले में एके इंफोसिस्टम्स और कई बिचौलियों को भी नामित किया है। आरोपपत्र विशेष सीबीआई अदालत में दायर किया गया था। आरोप यह है कि 2004 से 2009 तक यूपीए सरकार में मंत्री के रूप में लालू प्रसाद के कार्यकाल के दौरान मुंबई, जबलपुर, कोलकाता, जयपुर और हाजीपुर में स्थित विभिन्न जोनल रेलवे में पटना के स्थानापन्न लोगों को नियुक्त किया गया था।

जिन पाकिस्तानी दस्तावेजों के बल पर सीमा भारत आई, वही बन गए जी का जंजाल

- सुरक्षा एजेंसियों को गहराता जा रहा शक, जल्दबाजी में तैयार कराए गए कागजात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान से जिन दस्तावेजों को लेकर सीमा हैदर भारत आई अब उसके लिए वही दस्तावेज जी का जंजाल बन रहे हैं। क्योंकि दस्तावेजों के मुताबिक सीमा ने इन्हें जल्बाजी में तैयार कराया है। इसके कारण जांच एजेंसियों का शक और गहराता जा रहा है। यही वजह है कि सचिन मीणा को अपना पति मानकर रह रही महिला सीमा हैदर पर खुफियां एजेंसियां नजर बनाए हुए हैं। वह दुश्मन देश पाकिस्तानी मूल की है, इसीलिए पुलिस उसको लेकर रत्तीभर भी कोई चूक होने की गुंजाइश नहीं छोड़ना चाहती है। इसी के चलते उसके एक एक दस्तावेजों की बारीकी से विवेचना हो रही है। सीमा हैदर जिन दस्तावेजों को पाकिस्तान से लेकर आई है अब उन्हीं दस्तावेजों ने सीमा हैदर को एजेंसियों के सवालों के कठघरे में खड़ा कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक जांच एजेंसियों की पड़ताल में सीमा हैदर के पाकिस्तानी दस्तावेज गंभीर शक पैदा करने वाले हैं। मिली जानकारी के अनुसार सीमा हैदर ने 9-10 मई को पाकिस्तान से उड़ान भरने की कहानी एजेंसियों को बताई है। उससे पहले उसने पाकिस्तान में अपने कई दस्तावेज जल्दबाजी में तैयार किए। इनमें अपने बच्चों के पासपोर्ट हों या चारों बच्चों के वेक्सिनेशन कार्ड। एजेंसियां सीमा हैदर के पाकिस्तानी दस्तावेजों की पड़ताल कर रही हैं। दस्तावेजों की पड़ताल में कई पेंच फंस रहे हैं।

जांच एजेंसी की मानें तो दरअसल सीमा हैदर नेपाल का वीजा लेकर नेपाल में 11 मई को पहुंची। जबकि उसके चारों बच्चों के वेक्सिनेशन कार्ड 8 मई को तैयार किए गए हैं। एजेंसियां पता लगा रही हैं कि सीमा हैदर पिछले 7 सालों में 4 बच्चों की मां बन गई, लेकिन इन 7 सालों में उसने बच्चों के वेक्सिनेशन कार्ड क्यों नहीं बनवाए थे? भारत आने से पहले ही उसने आनन फानन में चारों बच्चों के वेक्सिनेशन कार्ड 8 मई 2023 को क्यों बनवाए? जबकि ये वेक्सिनेशन कार्ड हर बच्चे के जन्म के साथ बनने चाहिए थे।

इसके साथ ही वो गवर्नमेंट ऑफ पाकिस्तान के परिवार रजिस्ट्रेशन कार्ड को भी साथ लेकर आई है, जिसमें गुलाम हैदर और सीमा हैदर के अलावा सभी चारों बच्चों का नाम है। एजेंसियां पता लगा रही हैं कि क्या ये दस्तावेज सीमा हैदर जानबूझकर अपने साथ लेकर आई है। सीमा हैदर 12 मई को नेपाल के पोखरा से बस में चढ़ी थी और उसकी गिरफ्तारी 4 जुलाई को हुई थी। फिर सीमा हैदर ने पोखरा से भारत तक आने की अपनी टिकट को बतौर प्रूफ 54 दिनों के लंबे समय तक क्यों संभाल कर रखा था, क्योंकि अमूमन सभी अपनी टिकट फेंक देते हैं। इस तरह से कई उलझाने वाले सवाल हैं, इसीलिए एजेंसियां उसके दस्तावेजों की लगातार जांच कर रही है।

लापता महिलाओं और लड़कियों के मामले में महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर

- सबसे ज्यादा महिलाएं मध्य प्रदेश से गायब हुईं

इंदौर (एजेंसी)। मुंबई, (ईएमएस)। महाराष्ट्र के साथ-साथ देशभर में महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए अनेक उपाय लागू किये जा रहे हैं। लेकिन निर्भया, श्रद्धा वालकर और ऐसी कई अजीबोगरीब घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं. पिछले कुछ दिनों में राज्य में महिला हिंसा की घटनाओं में बड़ा इजाफा हुआ है. एक ओर जहां पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार कर रही है, वहीं दूसरी ओर एक सनसनीखेज जानकारी सामने आई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बताया है कि 2019 से 2021 तक तीन साल में देश भर से 13.13 लाख लड़कियां और महिलाएं लापता हो गई हैं। इनमें से ज्यादातर लड़कियां, महिलाएं मध्य प्रदेश की हैं। इस अवधि के दौरान मध्य प्रदेश में सबसे अधिक 1,60,180 महिलाएं और 38,234 लड़कियां लापता हुईं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) से ये चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है. एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 3 साल में देश में 1.3 लाख महिलाएं लापता हो गई हैं। 13 लाख महिलाओं में से 10 लाख महिलाएं 18 साल से ज्यादा उम्र की हैं. तो वहीं 18 लाख से कम उम्र की ढाई लाख लड़कियां लापता हैं. सबसे ज्यादा महिलाएं मध्य प्रदेश से गायब हुईं. इसके बाद पश्चिम बंगाल का नंबर है. पश्चिम बंगाल से भी महिलाएं बड़ी संख्या में गायब हो रही हैं.

महाराष्ट्र में कितनी लड़कियां और महिलाएं लापता?

लापता महिलाओं और लड़कियों के मामले में महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर है। 2019 से 2021 तक यानि इन तीन साल के दौरान महाराष्ट्र से 1 लाख 78 हजार 400 महिलाएं और 13 हजार लड़कियां गायब हो गई हैं. इन आंकड़ों के मुताबिक, 10 लाख 61 हजार 648 महिलाएं अठारह साल से ज्यादा उम्र की हैं और 2 लाख 51 हजार 430 लड़कियां अठारह साल से कम उम्र की हैं. राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो ने ये आंकड़े संकलित किये हैं.

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

कापोद्रा में तेज रफ्ता कार ने 3-4 मोटर साइकिलों को उडाया, घटना के घायलों का अस्पताल इलाज जारी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,शहर के कापोद्रा क्षेत्र में तेज रफ्तार कार ने 3-4 मोटर साइकिलों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के वक्त कार का चालक शराब के नशे में था। इस घटना में 6 लोगों के घायल होने की खबर है, जिनका अलग अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। जिसमें एक युवक को आईसीयू में भर्ती किया गया है। सूरत के कापोद्रा में बीती रात करीब 11 बजे हुई दुर्घटना ने अहमदाबाद के इस्कॉन ब्रिज की याद ताजा करवा दी। अहमदाबाद के इस्कॉन ब्रिज पर गत 19 जुलाई को एक रईशजादी ने अपनी कार जगुआर से सड़क पर खड़े कई लोगों को उड़ा दिया था। जिसमें 9 लोगों की घटनास्थल पर और एक की दूसरे दिन अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई थी। तेज रफ्तार में कार चलाने की ऐसी ही एक घटना सूरत के कापोद्रा से सामने आई है। हांलाकि इसमें कोई जानहानि नहीं हुई, लेकिन कार की चपेट में आए बाइक सवार घायल गए। जानकारी के मुताबिक सूरत के उतराण क्षेत्र का निवासी साजन पटेल कार खरीद-बिक्री का काम करता है। रविवार की रात करीब 11 बजे साजन पटेल शहर के कापोद्रा क्षेत्र के बीआरटीएस रूट में तेज रफ्तार में कार भगा रहा था। शराब के नशे में अंधाधुंध कार चले रहा साजन पटेल ने 3-4 मोटर साइकिलों को अपनी चपेट में ले लिया। घटनाके बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई और साजन पटेल को उसकी कार से बाहर निकालकर अच्छे से खातिरदारी की। खबर मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और साजन पटेल को गिरप्तार कर लिया। इस घटना में 6 लोग घायल हो गए हैं। जिसमें गंभीर रूप से घायल युवक को आईसीयू में भर्ती कराया गया है। जबकि अन्य 4 लोगों का प्राइवेट अस्पताल में उपचार चल रहा है। पकड़े जाने के बाद साजन पटेल ने अपना बचाव करते हुए कहा कि वह घर जा रहा था, तब अचानक मोटर साइकिलें सामने आई गई हैं, जिसकी वजह से दुर्घटना हुई। साजन पटेल शराब के नशे में था लेकिन वह दावा कर रहा था, उसने शराब नहीं पी। पुलिस की पूछताछ में साजन ने बताया कि उसके बेटे का जन्म दिन था, इसलिए दोपहर को शराब पी थी। पुलिस ने साजन पटेल को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू की है।

दो साल की बच्ची से रेप और हत्या केस का आरोपी दोषी करार,2 अगस्त को कोर्ट सुनाएगी सजा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत, सूरत के सचिन क्षेत्र में 5 महीने पहले 2 साल की बच्ची से रेप और हत्या केस में कोर्ट ने आरोपी को दोषी करार दिया है। 2 अगस्त को कोर्ट दोषी को उसके पाप की सजा की गई है। अब इस मामले में कोर्ट 2 अगस्त को दोषी को सजा सुनाएगी। दो साल की बच्ची की जिस क्रूरता के साथ हत्या की गई है उस देखते हुए दोषी को कड़ी से कड़ी फांसी की सजा देने की मांग की गई है। इसके अलावा पीड़ितों को मुआवजा देने की भी कोर्ट कर दी और पुलिस को भी इत्तला कर दिया। घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस भी बच्ची की खोजबीन में जुट गई। उस दौरान बच्ची का शव एक बंद मकान के कंपाउन्ड से बरामद हुआ। घटना का आरोपी इस्माइल उर्फ युसूफ फरार हो उससे पहले ही

सुनाएगी। सूरत के अतिरिक्त सत्र न्यायालय की न्यायधीश शंकुतला सोलंकी ने आरोपी को आईपीसी की धारा 302, 363, 366, पोस्को एक्ट 376, ए, बी, 377 इत्यादि दफाओं के तहत दोषी करार दिया है7 कोर्ट में आरोपी को दोषी ठहराए जाने के बाद उसकी सजा को लेकर दलील में मांग की गई। घटना इसी साल फरवरी महीने की है। सूरत के सचिन में कपलेठा क्षेत्र निवासी एक परिवार की दो साल की बेटी को इस्माइल उर्फ युसूफ सलीम हजाद बहला फुसलाकर अपनेसाथ ले गया था। काफी देर तक बेटी के घर नहीं लौटने पर परिवार ने उसकी तलाश शुरू पुलिस ने उसे दबोच लिया। इस्माइल ने भी बच्ची के साथ पहले दुष्कर्म किया और बाद में उसकी हत्या कर दी थी। पांच महीने कोर्ट में सुनवाई के बाद आज आरोपी इस्माइल उर्फ युसूफ को दोषी करार दे दिया गया है और आगामी 2 अगस्त को उसकी सजा का ऐलान किया जाएगा।

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com